NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.I B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

बिजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 261 लखनऊ, शनिवार 16 मई 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

भारत-यूएई रक्षा साझेदारी से दुनियाभर में हड़कंप, भारत-यूएई रक्षा डील-पीएम मोदी

एजेंसी।

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव और संघर्ष पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि संवाद और कूटनीति ही किसी भी विवाद का सर्वोत्तम समाधान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज संयुक्त अरब अमीरात की संक्षिप्त लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने पर जोर दिया। अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नहयान के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच रणनीतिक सहयोग का महत्व और अधिक बढ़ गया है। उन्होंने जनवरी में राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद की भारत यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देशों ने संबंधों को गुणात्मक रूप से नई ऊंचाई पर ले जाने का निर्णय लिया था और कम समय में ही उल्लेखनीय प्रगति हासिल की गई है।प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव और संघर्ष पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि संवाद और कूटनीति ही किसी भी विवाद का सर्वोत्तम समाधान है। इस दौरान उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को "मुक्त, खुला और सुरक्षित" बनाए रखने की

आवश्यकता पर बल दिया तथा अंतरराष्ट्रीय कानूनों के सम्मान की बात कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हर परिस्थिति में संयुक्त अरब अमीरात के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता बहाल करने के लिए हर संभव सहयोग देगा।वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने हाल के दिनों में संयुक्त अरब अमीरात पर हुए हमलों की कड़ी निंदा भी की। उन्होंने कहा कि किसी भी रूप में अमीरात को निशाना बनाया जाना स्वीकार्य नहीं है। प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात के नेतृत्व द्वारा राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने के लिए उठाए गए कदमों की सराहना की। साथ ही उन्होंने वहां रह रहे भारतीय समुदाय को कठिन समय में सहयोग देने के लिए अमीरात सरकार और शाही परिवार का आभार जताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात में भारतीयों को परिवार के सदस्य की तरह सम्मान और सुरक्षा मिलती है।हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के दौरान भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच रक्षा, ऊर्जा और निवेश से जुड़े कई महत्वपूर्ण समझौते भी हुए। दोनों देशों ने रणनीतिक रक्षा साझेदारी के ढांचे पर सहमति जताई। इसके अलावा रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस आपूर्ति तथा वाडीनार में जहाज मरम्मत केंद्र स्थापित करने से संबंधित समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इस यात्रा के दौरान भारतीय आधारभूत ढांचा परियोजनाओं, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में लगभग पांच अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणाएं भी की गईं।ऊर्जा सुरक्षा इस यात्रा का प्रमुख विषय रही। अधिकारियों के अनुसार संयुक्त अरब अमीरात भारत की ऊर्जा जरूरतों का एक महत्वपूर्ण भाग पूरा करता है। पिछले वर्ष भारत के कच्चे तेल आयात का लगभग ग्यारह प्रतिशत हिस्सा संयुक्त अरब अमीरात से आया था। इसके साथ ही यह भारत के लिए द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है और भारत की लगभग चालीस प्रतिशत आवश्यकता पूरी करता है। दोनों देशों के बीच रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण को लेकर पहले भी सहयोग रहा है। वर्ष 2018 में भारतीय सामरिक पेट्रोलियम भंडार लिमिटेड और अबू धाबी राष्ट्रीय तेल कंपनी के बीच समझौते के तहत मैंगलोर स्थित भंडारण केंद्र में पांच मिलियन बैरल से अधिक कच्चे तेल का भंडारण किया गया था।देखा जाये तो पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और अस्थिरता के बीच प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा विशेष महत्व रखती है। ईरान और अमेरिका–इजराइल के बीच बढ़ते तनाव तथा होर्मुज जलडमरूमध्य में संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है। ऐसे समय में संयुक्त अरब अमीरात भारत के सबसे भरोसेमंद ऊर्जा साझेदार के रूप में उभरा है। बताया जा रहा है कि दोनों देश होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भरता कम करने के विकल्पों पर भी विचार कर रहे हैं, जिनमें फुजैरा बंदरगाह के माध्यम से तेल आपूर्ति का मार्ग शामिल है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार सुबह दिल्ली से रवाना हुए और अबू धाबी पहुंचने पर उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। संयुक्त अरब अमीरात के हवाई क्षेत्र में भारतीय प्रधानमंत्री के विमान को एफ–16 लड़ाकू विमानों ने एस्कॉर्ट किया। यह यात्रा प्रधानमंत्री के पांच देशों के दौरे का पहला चरण है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अब देश का सबसे बड़ा टेक्नोलॉजी और एआई इनोवेशन हब बन रहा है।

संवाददाता।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजनरी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अब पारंपरिक छवि को पीछे छोड़ते हुए देश के सबसे बड़े श्टेक्नोलॉजी और एआई इनोवेशन हबश के रूप में नई पहचान बना रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को नवाबों के शहर लखनऊ में 'एआई ट्रांसफॉर्मेशन कॉन्क्लेव 2026' का भव्य आयोजन किया गया, जहाँ देशभर से आए 50 से अधिक वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों और प्रशासकों ने उत्तर प्रदेश के डिजिटल कायाकल्प पर मंथन किया। यह कॉन्क्लेव केवल एक चर्चा का मंच नहीं, बल्कि यूपी को तकनीक के वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रशासनिक दक्षता का नया दौर कॉन्क्लेव के दौरान 'द एआई–पावर्ड पब्लिक एडमिनिस्ट्रेटर' विषय पर आयोजित विशेष वर्कशॉप में डॉ.

सुबी चतुर्वेदी ने भविष्य की गवर्नेंस का खाका पेश किया। उन्होंने कहा कि लखनऊ अब केवल तहजीब का केंद्र नहीं, बल्कि नवाचार का सबसे उपयुक्त केंद्र बनकर उभरा है। इनमोबी जैसी डीपटेक कंपनियों के आगमन और मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते प्रदेश में रिसर्च, टैलेंट और आंत्रप्रेन्योरशिप का एक ऐसा इकोसिस्टम विकसित हो रहा है, जो उत्तर प्रदेश को भारत की डिजिटल शक्ति का केंद्र बना देगा। देश की पहली एआई सिटी और भारी निवेश योगी सरकार ने एआई की शक्ति को समझते हुए लखनऊ की वृंदावन योजना में घ्368 करोड़ की लागत से देश की पहली श्एआई सिटीश को हरी झंडी दे दी है। इसके साथ ही, यूपी एआई मिशन के लिए 225 करोड़ का विशेष बजट आवंटित किया गया है, जो राज्य की तकनीकी महत्वाकांक्षाओं को नई उड़ान देगा।

3 रुपए महंगा हो गया डीजल और पेट्रोल, बढ़ी कीमतों के बीच इन टिप्स से बढ़ाएं कार का माइलेज

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तुरंत प्रभाव से 3 रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई है। 28 फरवर 2026 को शुरू हुए अमेरिका–ईरान युद्ध की वजह से दुनिया भर में फ्यूल की सप्लाई रुक गई है जिससे इंटरनेशनल पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। क्या आप गाड़ी के मालिक हैं और रोजाना कार का इस्तेमाल करते हैं? अगर हां, तो यहां हम आपको माइलेज बढ़ाने की कुछ टिप्स के बारे में बताएंगे।स्टार्ट के बाद रुकें अक्सर लोग कार स्टार्ट होते ही इसे चलाना शुरू कर देते हैं। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो इसे तुरंत रोक दें। जब दिन में पहली बार गाड़ी स्टार्ट की जाती है तो इंजन का तापमान सही नहीं होता। ऐसी हालत में गाड़ी चलाने से इंजन पर दबाव बढ़ता है जिससे माइलेज कम हो जाता है। इसलिए, स्टार्ट करने के तुरंत बाद गाड़ी न चलाएं और थोड़ा इंतजार करें जिससे इंजन का सही तापमान सही स्तर पर आ जाए। सही टाइम पर सर्विसकार के इंजन को उसका दिल कहा जा सकता

है। कार के इंजन को बेहतर रखने के लिए समय पर सर्विसिंग की जरूरत

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर वार नीट-यूजी छात्रों का भविष्य चुराने वालों को जवाब देना होगा

एजेंसी।

दिल्ली। नीट–यूजी परीक्षा रद्द होने और छात्रों की आत्महत्याओं के बाद, राहुल गांधी ने भ्रष्ट व्यवस्था पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि 148 परीक्षा घोटालों में से केवल 1 में सजा मिली, जिससे लाखों छात्र प्रभावित हुए, और उन्होंने छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए भविष्य के चोरों को जवाबदेह ठहराने का वादा किया।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 15 मई को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा 3 मई को आयोजित नीट–यूजी 2026 परीक्षा को रद्द करने के बाद केंद्र सरकार की आलोचना की। गांधी ने परीक्षा रद्द होने से जुड़े नीट उम्मीदवारों की मौतों की खबरों का हवाला दिया। र पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि अब कोई प्रतियोगी परीक्षा नहीं होगी। लखीमपुर खेरी के 21 वर्षीय

रितिक मिश्रा के ये आखिरी शब्द थे। तीसरी बार छम्ज्ञ परीक्षा दे रहे इस युवक का परीक्षा रद्द होते ही दिल टूट गया।राहुल गांधी ने आगे कहा कि गोवा में भी एक छम्ज्ञ परीक्षार्थी ने आत्महत्या कर ली। ये बच्चे परीक्षा में हारे नहीं, बल्कि एक भ्रष्ट व्यवस्था के शिकार हुए। यह आत्महत्या नहीं, बल्कि व्यवस्था द्वारा की गई हत्या है। गांधी ने दावा किया कि 2015 से 2026 के बीच देशभर में 148 परीक्षा घोटाले हुए, जिनसे लगभग 9 करोड़ छात्र प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि 2015 से 2026 तक 148 परीक्षा घोटाले हुए। 87 परीक्षाएं रद्द हुईं, 9 करोड़ बच्चों का भविष्य प्रभावित हुआ।उन्होंने आगे कहा कि इसमें शामिल लोगों को कोई सजा न मिलने पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि 148 घोटालों में से सिर्फ 1 में सजा मिली। सीबीआई ने 17 मामले दर्ज किए, ईडी ने 11 दृ किसी को सजा नहीं मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करते हुए गांधी ने पूछा कि मोदी जी, आपकी जवाबदेही जगाने के लिए कितने ऋतिकों की जरूरत होगी? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करते हुए गांधी ने पूछा कि मोदी जी, आपको जवाबदेही का एहसास दिलाने के लिए कितने ऋतिकों की जरूरत पड़ेगी? उन्होंने छात्रों के साथ एकजुटता भी व्यक्त की कि मेरे युवा मित्रों, आपका दर्द मेरा दर्द है। आपकी मेहनत मेरी मेहनत है। जो लोग आपका भविष्य छीन रहे हैं, उन्हें जवाब देना होगा। चाहे कितना भी समय लगे, किसी को बख्शा नहीं जाएगा दृ यह मेरा वादा है। हम इस लड़ाई को मिलकर लड़ेंगे दृ और हम जीतेंगे। इसी बीच, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने घोषणा की कि छम्ज्ञ–न्ळ 2026 की पुनर्परीक्षा 21 जून को होगी।

तेल के दाम पर भड़के सीएम विजय, बोले- ये फैसला गलत वापस ले सरकार

दिल्ली। मुख्यमंत्री के बयान में कहा गया है कि इस बढ़ोतरी से आम लोगों पर बोझ बढ़ेगा, परिवहन और जीवनयापन की लागत में वृद्धि होगी और मुद्रास्फीति और भी गंभीर हो जाएगी। उन्होंने केंद्र सरकार से इस कदम पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। बयान में कहा गया है, इस मूल्य वृद्धि का दोपहिया और स्कूटर चलाने वाले गरीब, मध्यम वर्ग और गरीब लोगों की मासिक आय पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। भारत में शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई, जो लगभग चार वर्षों में ईंधन की कीमतों में पहली बड़ी वृद्धि है। पश्चिमी एशिया में तनाव के बीच वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से जूझ रही सरकारी तेल कंपनियां इस बढ़ोतरी को स्वीकार नहीं कर पा रही हैं। कीमतों में इस उछाल के बीच, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने इस बढ़ोतरी के फैसले को श्अस्वीकार्यश बताया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में उन्होंने कहा, ष्केंद्र सरकार की सार्वजनिक क्षेत्र की

तेल कंपनियों ने पेट्रोलियम उत्पादों, विशेष रूप से पेट्रोल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है। यह अस्वीकार्य है। उन्होंने यह भी कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत घटती है, तो पेट्रोल कंपनियां पेट्रोल और डीजल की कीमतों में उसी अनुपात में कमी नहीं करतीं। इसके बजाय, वे कंपनियां केवल मुनाफा कमाती हैं। उन्होंने आगे कहा कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में यह वृद्धि गलत है। मुख्यमंत्री के बयान में कहा गया है कि इस बढ़ोतरी से आम लोगों पर बोझ बढ़ेगा, परिवहन और जीवनयापन की लागत में वृद्धि होगी और मुद्रास्फीति और भी गंभीर हो जाएगी।उन्होंने केंद्र सरकार से इस कदम पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। बयान में कहा गया है, इस मूल्य वृद्धि का दोपहिया और स्कूटर चलाने वाले गरीब, मध्यम वर्ग और गरीब लोगों की मासिक आय पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। बैंक ऋण लेने वाले और किराए पर वाहन चलाने वाले लोगों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा और उनकी आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होगी। बयान में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि के कारण किराए पर वाहनों के किराए में वृद्धि की संभावना का भी मुद्दा उठाया गया है। बयान में सवाल उठाया गया है इससे दैनिक आवश्यक वस्तुओंकी कीमतोंमें वृद्धि होगी और गरीब और गरीब लोगोंकी क्रय शक्ति भी प्रभावित होगी। विजय ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए भी चिंता व्यक्त की और कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि के कारण उनके द्वारा उत्पादित उत्पादोंकी लागत बढ़ने से बाजार और निर्यात मेंमंदी आने की संभावना है।

बेरोजगार युवा काकरोच की तरह... सीजेआई सूर्यकांत का अजीबोगरीब बयान

एजेंसी।

समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, पीठ ने याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील संजय दुबे से कहा कि पूरी दुनिया वरिष्ठ अधिवक्ता बनने के योग्य हो सकती है, लेकिन कम से कम आप तो इसके हकदार नहीं हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शुक्रवार को कीड़ों और परजीवियों का उदाहरण देते हुए कहा कि बेरोजगार युवा सोशल मीडिया और सूचना के अधिकार (आरटीआई) का इस्तेमाल करके हर किसी पर हमला करते हैं। ये टिप्पणियां तब आईं जब मुख्य न्यायाधीश कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ एक ऐसे वकील को फटकार लगा रही थी जो वरिष्ठ अधिवक्ता का पदनाम मांग रहा था। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, पीठ

ने याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील संजय दुबे से कहा कि पूरी दुनिया वरिष्ठ अधिवक्ता बनने के योग्य हो सकती है, लेकिन कम से कम आप तो इसके हकदार नहीं हैं। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यदि दिल्ली उच्च न्यायालय अब भी वकील को वरिष्ठ अधिवक्ता का पदनाम प्रदान करता है, तो सर्वोच्च न्यायालय उसे रद्द कर देगा। मुख्य न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता के वकील द्वारा फेसबुक पर इस्तेमाल की गई भाषा का भी उल्लेख किया। तभी मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने समाज के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी मौजूद हैं जो व्यवस्था पर हमला करते हैं और आप उनके साथ हाथ मिलाना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे कई युवा हैं, जो तिलचट्टों की तरह हैं, जिन्हें न तो रोजगार मिलता है और न ही पेशे में कोई स्थान। उनमें से कुछ मीडिया में चले जाते हैं, कुछ सोशल मीडिया कार्यकर्ता बन जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता और अन्य कार्यकर्ता बन जाते हैं, और वे हर किसी पर हमला करना शुरू कर देते हैं। इसके बाद याचिकाकर्ता ने पीठ से माफी मांगी और याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी और इसकी अनुमति दे दी गई। हालांकि, अदालत ने फर्जी कानून की डिग्रियां रखने वाले वकीलों की बढ़ती संख्या पर भी चिंता व्यक्त की।

पीएम मोदी की अपील पर अखिलेश यादव का पलटवार बोले - आगे बढ़ना है तो साईकल एकमात्र विकल्प

संवाददाता।

लखनऊ। ईंधन की कीमतों में 3 प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने पीएम मोदी की ईंधन संरक्षण अपील पर श्साइकिलश का तंज कसा। सपा के चुनाव चिन्ह साइकिल को आगे बढ़ने का एकमात्र विकल्प बताकर, यादव ने बढ़ती महंगाई के बीच सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए, जिससे राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई।पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के कुछ घंटों बाद, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन संरक्षण अपील पर तंज कसते हुए कहा कि साइकिल, जो सपा का चुनाव चिन्ह है, आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है। र पर साइकिल चलाते हुए अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए अखिलेश यादव ने हिंदी में लिखा, ष्अगर आगे बढ़ना है तो साइकिल ही एकमात्र विकल्प है।केंद्र सरकार द्वारा ईंधन की कीमतों में वृद्धि पश्चिम एशिया संकट से जुड़े वैश्विक तेल आपूर्ति व्यवधानों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच हुई है। हैदराबाद में एक रैली के दौरान, मोदी ने नागरिकों से घर से काम करने और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करके ईंधन बचाने का आग्रह किया, ताकि विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम हो सके। प्रधानमंत्री की अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए, उत्तर प्रदेश

सरकार ने ईंधन बचाने के लिए कई पहलें शुरू की हैं, जिनमें मंत्री और अधिकारी दैनिक आवागमन के लिए साइकिल, ई–वाहन और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर रहे हैं। राज्य के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना अपने आधिकारिक आवास से कार्यालय तक साइकिल से गए, जबकि मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने सार्वजनिक परिवहन का उपयोग किया।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 16 मई 2026
sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ पुलिस और 'प्रयास' की पहल स्कूली बच्चों को साइबर सुरक्षा का पाठ, आनलाइन फ्राड और मोबाइल हैकिंग से बचाव की दी जानकारी

लखनऊ,(आरएनएस)डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों और ऑनलाइन ठगी के मामलों को देखते हुए लखनऊ पुलिस साइबर क्राइम सेल ने स्कूली बच्चों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की पहल तेज कर दी है। इसी क्रम में शुक्रवार को लखनऊ पुलिस साइबर क्राइम सेल एवं गैर सरकारी संस्था 'प्रयास' के संयुक्त तत्वाधान में मॉडर्न एकेडमी स्कूल में विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 07 एवं 08 के छात्र–छात्राओं को इंटरनेट, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग और मोबाइल सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।कमिश्नरेट लखनऊ के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को बढ़ते साइबर अपराधों, ऑनलाइन धोखाधड़ी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होने वाले खतरों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की।मॉडर्न एकेडमी स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बच्चों को सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्हें समझाया गया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यक्तिगत फोटो, मोबाइल नंबर, घर का पता, बैंक संबंधी जानकारी और अन्य निजी सूचनाएं साझा करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। बच्चों को सलाह दी गई कि वे अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल को प्राइवेट अथवा लॉक रखें और केवल परिचित लोगों को ही अपनी मित्र सूची में शामिल करें।कार्यक्रम के दौरान साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नए तरीकों की भी जानकारी दी गई। साइबर क्राइम सेल के मुख्य आरक्षी गौरव शुक्ला ने बच्चों को बताया कि अनजान नंबरों से आने वाले लिंक, संदिग्ध मैसेज, ओटीपी जांच–परख के खोलना मोबाइल फोन और निजी डाटा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। उन्होंने विशेष रूप से फर्जी एपीके (।च्ज्ञ) फाइल्स और मालवेयर के खतरों के प्रति सावधान करते हुए कहा कि मोबाइल एप्लीकेशन केवल विश्वसनीय और आधिकारिक प्लेटफॉर्म से ही डाउनलोड करनी चाहिए।बच्चों को ऑनलाइन गेमिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों से भी अवगत कराया गया। उन्हें बताया गया कि गेमिंग प्लेटफॉर्म पर अनजान लोगों से बातचीत करना, पैसे का लेन–देन करना या निजी जानकारी साझा करना साइबर ठगी का कारण बन सकता है। साथ ही साइबर बुलिंग, ऑनलाइन उत्पीड़न और संदिग्ध गतिविधियों की स्थिति में तत्काल अभिभावकों या पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम को रोचक और शिक्षाप्रद बनाने के लिए या फर्जी फाइल्स को बिना साइबर जागरूकता संबंधी कॉमिक्स, पोस्टर और अन्य शैक्षिक सामग्री वितरित की गई। इन माध्यमों से साइबर सुरक्षा के नियमों को सरल भाषा और चित्रों के जरिए समझाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने उत्सुकता के साथ साइबर सुरक्षा से जुड़े कई सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने सरल और व्यवहारिक तरीके से जवाब दिया।इस अवसर पर संस्था 'प्रयास' की कार्डिनेटर अनुषांगी खेमका, विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण और अन्य स्टाफ भी मौजूद रहे। विद्यालय प्रशासन ने लखनऊ पुलिस और संस्था 'प्रयास' की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि डिजिटल युग में बच्चों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना अत्यंत आवश्यक हो गया है और इस प्रकार के कार्यक्रम उनके सुरक्षित डिजिटल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रयागराज मण्डल में क्लाइमेट चेंज थीम पर विश्व पर्यावरण दिवस का शुभारंभ

प्रयागराज। मण्डल रेल प्रबन्धक प्रयागराज, रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में प्रयागराज मंडल कार्यालय में 15 मई से 5 जून तक चलाये जाने वाले श्क्लाइमेट चेंजश थीम पर षविश्व पर्यावरण दिवसष अभियान का आज शुभारंभ किया गया। इस अभियान के दौरान पर्यावरण अनुकूल उत्पादों, वृक्षारोपण, जल संरक्षण, स्वच्छता और प्लास्टिक मुक्त रेलवे परिसरों के निर्माण की दिशा में अभियान चलाये जाएंगे।

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक इन्फ्रा धनंजय कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल पर्यावरण एवं रखरखाव प्रबंधक विक्रम सिंह कोली सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबन्धक प्रयागराज रजनीश अग्रवाल ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए शपथ ली।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर भारतीय रेल द्वारा चलाये जाने वाले अभियान के क्रम में प्रयागराज मण्डल द्वारा 15 मई से 5 जून 2026 तक व्यापक पर्यावरण संरक्षण एवं जन–जागरूकता अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों, कॉलोनियों एवं कार्यालय परिसरों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, प्लास्टिक उन्मूलन, जल एवं ऊर्जा संरक्षण तथा सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। प्रारम्भिक चरण में 'मिशन लाइफ' एवं 'विश्व पर्यावरण दिवस –2026' थीम के अंतर्गत जागरूकता अभियान चलाकर पोस्टर, बैनर एवं डिजिटल संदेशों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन, सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभाव तथा पर्यावरण–अनुकूल जीवनशैली का प्रचार–प्रसार किया जाएगा। यात्रियों एवं कर्मचारियों को पुनरू उपयोग योग्य बोतलों, बैग एवं कंटेनरों के उपयोग तथा डिजिटल टिकटिंग एवं पेपरलेस यात्रा के लिए प्रेरित किया जाएगा।

5 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रेलवे स्टेशनों, कार्यस्थलों एवं स्थानीय क्षेत्रों में स्काउट्स, एनसीसी, सामाजिक संगठनों, विद्यालयों एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से व्यापक जन–जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

श्री हरि धाम गोठी में दर्शनार्थियों के वाहन पर हमला

दर्शन करने आए थे श्रद्धालु, शिकायत बाद भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की

प्रयागराज। कौंधियारा थाना क्षेत्र अंतर्गत गोठी बेलसारा स्थित श्री हरी धाम में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं के साथ अभद्रता और मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर भक्तों और स्थानीय लोगों में काफी नाराजगी देखी जा रही है।

आरोप है कि मंदिर परिसर के आसपास रहने वाले एक व्यक्ति द्वारा लगातार श्रद्धालुओं को परेशान किया जा रहा है, लेकिन शिकायतों के बावजूद पुलिस स्तर पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

जानकारी के अनुसार गोठी बेलसारा में स्थित श्री हरी धाम सनातन सेवा ट्रस्ट एवं निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी विनयानन्द गिरी जी महाराज के संरक्षण में संचालित श्री हरि विष्णु दरबार में प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु पूजा–अर्चना और दर्शन के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि मंदिर में धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान भी कई बार विवाद की स्थिति उत्पन्न की जाती रही है।

भक्तों द्वारा आरोप लगाया गया है कि पड़ोस में रहने वाले कृष्णा राम विश्वकर्मा उर्फ कल्लू विश्वकर्मा द्वारा आए दिन दर्शनार्थियों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। इतना ही नहीं, श्रद्धालुओं की गाड़ियों में तोड़फोड़ करने, महिलाओं के साथ बदसलूकी करने तथा गाली–गलौज करने जैसे आरोप भी लगाए गए हैं।

बताया जा रहा है कि इस संबंध में कई बार कौंधियारा थाने में शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। बताया गया कि बीते बृहस्पतिवार को भी एक मोटरसाइकिल में तोड़फोड़ की घटना हुई, जिसका वीडियो कथित रूप से सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। वीडियो वायरल होने के बाद भक्तों में और अधिक आक्रोश फैल गया है।

महामंडलेश्वर स्वामी विनयानन्द गिरी महाराज से जुड़े लोगों का आरोप है कि उन्हें भी लगातार धमकियां दी जा रही हैं। आरोप यह भी है कि संबंधित व्यक्ति और उसके परिवार के सदस्य मंदिर प्रबंधन के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करते हैं और आए दिन विवाद खड़ा करते रहते हैं।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस की पूर्व संध्या पर डाक्टरों की अपीलरु डेंगू से बचाव के लिए अभी से हों सतर्क, बच्चों और बुजुर्गो पर अधिक खतरा

लखनऊ(आरएनएस),हर वर्ष 16 मई को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय डेंगू दिवस की पूर्व संध्या पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों से डेंगू से बचाव के लिए अभी से सतर्कता बरतने और मजबूत कदम उठाने की अपील की है। डॉक्टरों का कहना है कि मानसून से पहले मई और जून के महीनों में मच्छरों के प्रजनन को नियंत्रित करना डेंगू जैसी जानलेवा बीमारी की रोकथाम के लिए सबसे प्रभावी रणनीति है। बढ़ते तापमान और बदलते जलवायु पैटर्न को देखते हुए इस वर्ष डेंगू का खतरा पहले की तुलना में अधिक गंभीर हो सकता है।महानगर स्थित नियो–चाइल्ड क्लीनिक के सीनियर कंसल्टेंट पीडियाट्रिशियन तथा इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) के वर्ष 2023 के स्टेट प्रेसिडेंट डॉ. संजय निरंजन ने कहा कि डेंगू को लेकर लोगों में अब भी कई भ्रांतियां हैं। उन्होंने बताया कि आमतौर पर यह गलतफहमी रहती है कि एक बार डेंगू होने के बाद व्यक्ति को दोबारा संक्रमण नहीं हो सकता, जबकि वास्तव में डेंगू चार अलग–अलग वायरस (सीरोटाइप) से फैलता है। किसी एक प्रकार के वायरस से संक्रमित होने पर केवल उसी के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है, बाकी तीन प्रकार के वायरस का खतरा बना रहता है। ऐसे में कोई व्यक्ति अपने जीवन में चार बार तक डेंगू से संक्रमित हो सकता है।डॉ. संजय निरंजन ने कहा कि दूसरी बार डेंगू होने पर बीमारी अधिक गंभीर हो सकती है और अस्पताल में भर्ती होने की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों में डेंगू का जोखिम अधिक होता है, क्योंकि उनका प्रतिरक्षा तंत्र पूरी तरह विकसित नहीं होता। वहीं मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा और हृदय रोग जैसी बीमारियों से पीड़ित वयस्कों में भी गंभीर स्थिति का खतरा अधिक रहता है।विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में डेंगू अब केवल मानसून तक सीमित बीमारी नहीं रह गई है। दक्षिण और पश्चिम भारत के कई क्षेत्रों में यह पूरे वर्ष फैलने वाली बीमारी बन चुकी है, जबकि पहले कम प्रभावित माने जाने वाले पर्वतीय और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में भी अब इसके मामले सामने आने लगे हैं। तेजी से शहरीकरण, बढ़ता तापमान, अनियोजित निर्माण कार्य और घरों में पानी संग्रह करने की प्रवृत्ति मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रही है।भारतीय मौसम विभाग द्वारा वर्ष 2026 में सामान्य से अधिक तापमान और अधिक हीटवेव वाले दिनों की संभावना जताई गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अल नीनो जैसे जलवायु परिवर्तनकारी प्रभावों के कारण अत्यधिक गर्मी और मौसम में बदलाव डेंगू फैलाने वाले मच्छरों के लिए अधिक अनुकूल परिस्थितियां तैयार कर सकते हैं, जिससे बीमारी का जोखिम बढ़ सकता है।डॉक्टरों ने कहा कि डेंगू के लक्षण मच्छर के काटने के चार से दस दिन बाद सामने आते हैं। इनमें तेज बुखार, गंभीर सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, शरीर और जोड़ों में दर्द, उल्टी, जी मिचलाना और त्वचा पर चकत्ते शामिल हैं। हालांकि कई मामलों में लक्षण सामान्य दिखाई देते हैं, लेकिन बुखार कम होने के बाद पेट में तेज दर्द, लगातार उल्टी, नाक या मसूड़ों से खून आना, अत्यधिक कमजोरी और मल या उल्टी में खून जैसे लक्षण गंभीर खतरे का संकेत हो सकते हैं।विशेषज्ञों ने आगाह किया कि समय पर इलाज न मिलने पर गंभीर डेंगू जानलेवा साबित हो सकता है। डेंगू शॉक सिंड्रोम, डेंगू हेमोरेजिक फीवर, शरीर में फ्लूड लीकेज और कई अंगों के फेल होने जैसी जटिलताएं गंभीर स्थिति पैदा कर सकती हैं।डॉ. संजय निरंजन ने लखनऊ में वर्ष 2016 में फैले डेंगू प्रकोप का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौरान कई स्कूली बच्चों की मौत हुई थी, जिसने इस बात की गंभीर आवश्यकता को उजागर किया कि हर वर्ष डेंगू के मौसम से पहले रोकथाम, जागरूकता और उपचार व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाया जाए।

दुख की इस घड़ी में पूरी सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है- मंत्री आंधी तूफान से पीड़ित परिवारों से मिले मंत्री स्वतंत्रदेव, 26 की हुई मौत

प्रयागराज। प्रयागराज में 13 मई को आए भीषण आंधी तूफान ने भारी तबाही मचाई।

प्रयागराज सबसे ज्यादा प्रभावित जिला रहा, जहां 26 लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जल शक्ति मंत्री एवं प्रयागराज के प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह शुक्रवार को प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक कर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की।पत्रकारों से बातचीत के दौरान स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि प्रदेश में पहली बार इतनी तेज आंधी–तूफान देखने को मिला, जिसमें बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने सभी प्रभारी मंत्रियों को अपने–अपने जिलों में जाकर पीड़ित परिवारों से मिलने और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।मंत्री ने कहा कि मृतकों के परिजनों को चार–चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अलावा जिन परिवारों के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें आवास सहायता और जरूरतमंद परिवारों को पेंशन योजना का लाभ भी दिया जाएगा। उन्होंने दैवीय आपदा में जान गंवाने वालों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए मृत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरी सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है।

इस दौरान शंकरगढ़ क्षेत्र में पेयजल संकट को लेकर भी मंत्री ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इस बार कम बारिश की संभावना को देखते हुए सरकार पहले से सतर्क है। पेयजल व्यवस्था बनाए रखने के लिए भरे हुए डैमों पर निर्भरता रहेगी। उन्होंने लोगों से जल संरक्षण करने और पानी का सीमित उपयोग करने की अपील की।पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के बढ़ते दामों पर मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर मंत्री और आम लोग ईंधन बचाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सेवा और विकास की राजनीति करती है ।

लखनऊ से शुरू हुआ 'स्वस्थ भारत, हमदर्द भारत' अभियान, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने पर जोर

लखनऊ(आरएनएस), देश की अग्रणी स्वास्थ्य एवं आरोग्य संस्थाओं में शामिल हमदर्द प्रयोगशाला ने शुक्रवार को लखनऊ से "स्वस्थ भारत, हमदर्द भारत – स्वास्थ्य जागरूकता अभियान" का शुभारंभ किया। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की उपस्थिति में प्रारंभ किए गए इस अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से ग्रामीण तथा कम सुविधायुक्त क्षेत्रों में रोगों की रोकथाम संबंधी स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण संबंधी जागरूकता और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है।संस्था की ओर से प्रारंभ की गई यह व्यापक जनस्वास्थ्य पहल अगले 30 दिनों तक पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के 30 नगरों में संचालित की जाएगी। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, स्वास्थ्य संवाद, शारीरिक भार सूचकांक (बीएमआई) जांच, स्वास्थ्य परामर्श तथा विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। अभियान का पहला चरण लखनऊ से प्रारंभ होकर कानपुर, बांदा, प्रयागराज, वाराणसी, आजमगढ़, गोरखपुर, बस्ती, अयोध्या और सीतापुर सहित कई नगरों तक पहुंचेगा। इसके बाद पटना और भागलपुर से भी इसी प्रकार की पहल आरंभ की जाएगी।लखनऊ में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में आयुष तथा यूनानी चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े अनेक प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया। इनमें केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद के उपनिदेशक डॉ. नजमुस साहेर, उत्तर प्रदेश यूनानी सेवाओं के निदेशक डॉ. जमाल अख्तर, राजकीय यूनानी महाविद्यालय लखनऊ के प्रधानाचार्य डॉ. अब्दुल कावी, यूनानी विशेषज्ञ डॉ. मोहम्मद खालिद सिद्दीकी तथा एराम यूनानी चिकित्सीय महाविद्यालय के डॉ. हलीम प्रमुख रूप से शामिल रहे।यह पहल राष्ट्रीय आयुष अभियान तथा आयुष मंत्रालय की सोच के अनुरूप बताई जा रही है। संस्था का कहना है कि यह अभियान स्वास्थ्य और शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की 120 वर्षों से अधिक पुरानी विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास है।हमदर्द प्रयोगशाला भारत के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अब्दुल मजीद सानी ने कहा कि स्वास्थ्य जागरूकता और पोषण शिक्षा राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने कहा कि "स्वास्थ्य जागरूकता अभियान" के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने तथा पोषण संबंधी चुनौतियों से निपटने का प्रयास किया जाएगा। उनका कहना था कि यह पहल सस्ती, सुलभ और समग्र स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति हमदर्द की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।संस्था के अनुसार, यह अभियान समग्र स्वास्थ्य सेवाओं और रोगों की रोकथाम आधारित आरोग्य को बढ़ावा देने की दिशा में उसके व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

साइकिल से नगर निगम कार्यालय पहुचे महापौर

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से ईंधन की खपत को कम करने और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के आह्वान का तीर्थराज प्रयाग में असर दिखने लगा है। महापौर गणेश केसरवानी अपनी चार पहिया गाड़ी का प्रयोग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने वाहन को हटा दिया है।महापौर आज शुक्रवार को अपने कीडगंज स्थित निवास से साइकिल पर सवार होकर नगर निगम स्थित कार्यालय पहुंचे। वहीं उन्होंने क्षेत्र में भ्रमण इलेक्ट्रिक स्कूटी से करने की बात कही है। गर्मी भी आज अपने चरम पर रही। इसी में उन्होंने साइकिल से सफर किया। महापौर ने पार्षदों और अधिकारियों से भी वाहनों का प्रयोग कम करने की अपील की है। इसके प्रभाव से अधिकतर पार्षदों ने चार पहिया वाहनों का प्रयोग न करने संकल्प लिया है। वह पैदल, साइकिल, पब्लिक ट्रांसपोर्ट या इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करेंगे।महापौर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रहित में अपील की है। उन्होंने दो गाड़ी से चलकर बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काफिला में वाहनों की संख्या कम किया है। राष्ट्र और समाज हित में उस मुहिम को हमें आगे बढ़ाना है।

बढ़ती ट्रांसफार्मर क्षति और दंडात्मक कार्रवाई के विरोध में जूनियर इंजीनियर्स संगठन ने सौंपा ज्ञापन

लखनऊ(आरएनएस) राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन, उत्तर प्रदेश की लेसा शाखा ने विद्युत वितरण व्यवस्था से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी लखनऊ के माध्यम से मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को ज्ञापन भेजा। संगठन ने वितरण परिवर्तकों की बढ़ती क्षतिग्रस्ता, अवर अभियंताओं एवं प्रोन्नत अभियंताओं के विरुद्ध हो रही दंडात्मक कार्यवाहियों तथा विद्युत व्यवस्था के सुचारु संचालन में आ रही कठिनाइयों को प्रमुख मुद्दा बताया।संगठन का कहना है कि वर्तमान में पर्याप्त संसाधनों, सुरक्षा उपकरणों और आवश्यक मानव बल की कमी के बावजूद विद्युत व्यवस्था का संचालन कराया जा रहा है। इससे वितरण परिवर्तकों के खराब होने की घटनाओं में वृद्धि हो रही है, साथ ही दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ रहा है। ज्ञापन में मांग की गई कि ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था लागू की जाए तथा तकनीकी मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।जूनियर इंजीनियर्स संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि विद्युत कर्मचारियों और अवर अभियंताओं के विरुद्ध बिना समुचित जांच के दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष का माहौल है। संगठन ने ऐसी कार्यवाहियों पर तत्काल रोक लगाने की मांग करते हुए कहा कि किसी भी कार्रवाई से पहले निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जानी चाहिए।ज्ञापन में जले हुए वितरण परिवर्तकों की मौके पर ही मरम्मत के लिए पर्याप्त कार्यदायी संस्थाओं की व्यवस्था करने, आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने तथा आधुनिक तकनीकी उपकरण उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई। संगठन का कहना है कि इससे उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।इसके अलावा विद्युत उपकेंद्रों और लाइनों के अनुरक्षण कार्यों के लिए पर्याप्त एवं प्रशिक्षित मानव बल उपलब्ध कराने, सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराने तथा क्षेत्रीय कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। संगठन ने अवर अभियंताओं के रिक्त पदों को शीघ्र भरने और क्षेत्रीय स्तर पर व्यवहारिक कार्य व्यवस्था लागू करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।संगठन पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो विद्युत व्यवस्था और उपभोक्ता सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। उन्होंने प्रबंधन और शासन से सकारात्मक तथा व्यवहारिक निर्णय लेते हुए अभियंता संवर्ग के हितों की रक्षा करने की मांग की।इस दौरान संगठन के मध्यांचल अध्यक्ष डी.के. प्रजापति, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संदीप मौर्य, लेसा ट्रांस गोमती शाखा के अध्यक्ष चन्द्रशेखर, सचिव एस.के. विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में अवर अभियंता और प्रोन्नत अभियंता मौजूद रहे।

डाक विभाग द्वारा वन स्टेट वन जीएसटी के क्रियान्वयन हेतु वर्कशाप आयोजित

प्रयागराज। भारतीय डाक विभाग द्वारा "वन स्टेट वन जीएसटी" के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आज एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप का शुभारंभ उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने किया। वर्कशॉप का उद्देश्य नई जीएसटी प्रणाली के सफल संचालन के लिए अधिकारियों को प्रशिक्षित करना तथा एकीकृत कार्यप्रणाली को समझाना था। इसमें विभिन्न मंडलों के प्रवर अधीक्षक डाकघर, अधीक्षक, सीनियर पोस्टमास्टर और लेखाधिकारी शामिल हुए। वर्कशॉप का शुभारंभ करते हुए पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि अब तक विभिन्न मंडलों में जीएसटी प्रक्रियाओं के संचालन में कार्यप्रणालीगत भिन्नताएँ देखने को मिलती थीं, किंतु यह नई व्यवस्था पूरे राज्य में एकीकृत प्रणाली के रूप में कार्य करेगी। इससे लेखांकन, टैक्स अनुपालन, इनवॉइस प्रबंधन तथा वित्तीय रिपोर्टिंग अधिक सरल एवं प्रभावी होगी। साथ ही प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि, समय की बचत, त्रुटियों में कमी तथा जवाबदेही में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित होगा। "वन स्टेट वन जीएसटी" केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि कार्यप्रणाली में सरलता, पारदर्शिता, एकरूपता एवं दक्षता स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। बदलती आर्थिक एवं तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप विभागीय कार्यशैली में सुधार समय की आवश्यकता है, जिससे अधिक सरल, पारदर्शी एवं उत्तरदायी व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। "वन स्टेट वन जीएसटी" इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस वर्कशॉप में अहमदाबाद सिटी मंडल के प्रवर डाक अधीक्षक चिराग मेहता, गांधीनगर मंडल के प्रवर डाक अधीक्षक शिशिर कुमार, अहमदाबाद जीपीओ सीनियर पोस्टमास्टर सिराज मन्सुरी, महेसाणा मंडल के डाक अधीक्षक एस के वर्मा, साबरकांठा मंडल के डाक अधीक्षक दीपक वाढेर, पाटन मंडल के डाक अधीक्षक आर ए गोस्वामी, बनासकांठा मंडल के डाक अधीक्षक श्री हर्षद परमार, मैनेजर दर्शन तपस्वी, सीनियर लेखाधिकारी बी. शिवा कुमार, सुश्री पूजा राठौर, सहायक लेखाधिकारी रामस्वरूप मँगावा, सुभाष कुमार, ऋषभ महेता, सहायक निदेशक वारिस वहोरा, रितुल गाँधी सहित तमाम अधिकारी उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग का बड़ा अभियान 1- 50 लीटर कच्ची शराब बरामद, 1850 किलो लहन नष्ट

सुल्तानपुर। आबकारी आयुक्त के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत शुक्रवार को सुल्तानपुर में आबकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के कारोबार पर शिकंजा कसा। अभियान के दौरान 50 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई, जबकि लगभग 1850 किलोग्राम लहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।यह कार्रवाई जिलाधिकारी सुल्तानपुर एवं उप आबकारी आयुक्त अयोध्या प्रभार के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी, उपजिलाधिकारी सदर और क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में की गई। अभियान का संचालन आबकारी निरीक्षक क्षेत्र–1 रण विजय सिंह द्वारा टीम के साथ किया गया। संयुक्त टीम में साकेत राय प्रधान आबकारी सिपाही, अंकित शर्मा, इरफान, ओमवीर सहित प्रवर्तन–2 अयोध्या प्रभार एवं कोतवाली नगर पुलिस की टीम शामिल रही। टीम ने ग्राम बल्लीपुर एवं चुनहा थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में दबिश देकर कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान कुल तीन अभियोग पंजीकृत किए गए। टीम ने अवैध शराब बनाने में प्रयुक्त भारी मात्रा में लहन बरामद कर उसे मौके पर ही नष्ट कराया। इसके अलावा क्षेत्र में संचालित आबकारी दुकानों का भी सघन निरीक्षण किया गया। दुकानों पर उपलब्ध स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया तथा गुप्त रूप से टेस्ट परचेज कर बिक्री व्यवस्था की जांच की गई। टीम ने कबाड़ी की दुकानों और ईंट भट्ठों पर भी गहन चेकिंग अभियान चलाया।

अभियान के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों को अवैध शराब से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए अवैध कारोबार की सूचना प्रशासन को देने की अपील की।

डीएफओ कार्यालय की मेहरबानी

अपने गृह क्षेत्र में वन रक्षक की तैनाती पर डीएफओ कार्यालय कटघरे में

सुल्तानपुर। वन विभाग के तैनाती नियमों की खुली अवहेलना सामने आई है। आरोप है कि डीएफओ कार्यालय की शह पर बल्दीराय क्षेत्र की रहने वाली वन रक्षक रेखा सिंह को अपने ही ब्लॉक में तैनात कर दिया गया। जिससे विभाग के नियमों की धज्जियां खुले उड़ रही है रेखा सिंह को अपने ही गांव के बीट का प्रभार किसने दिया विभाग के कार्यालय पर मिलीभगत के आरोप भी लगे हैं। वन विभाग की स्पष्ट नीति है कि जो कर्मचारी जिस ब्लॉक का निवासी है,उसकी तैनाती उसी ब्लॉक में नहीं की जा सकती। इसके बावजूद वन रक्षक रेखा सिंह को अपने ही गांव के बीट का प्रभार सौंपा गया है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह आदेश डीएफओ कार्यालय स्तर से जारी हुआ या उच्च अधिकारियों को गुमराह कर यह तैनाती कराई गई? स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना विभागीय मिलीभगत के यह संभव नहीं है।डीएफओ कार्यालय की शह पर वन विभाग के नियम और अपने ही ब्लॉक में वन रक्षक रेखा सिंह डेरा जमा क्षेत्र अवैध हरे वृक्ष की कटान करवाती है इनके ऊपर क्षेत्र में आरा मशीनो व ठेकेदारो से अवैध वसूली के भी आरोप है। क्षेत्र के ग्रामीणो ने जिलाधिकारी से तत्काल वन रक्षक रेखा सिंह को उनके गृह क्षेत्र से हटाने की मांग की है।

भव्य रोजगार मेला 2026 सफलतापूर्वक संपन्न

आज दिनांक 14 मई 2026 को आशा प्राइवेट आईटीआई हिंगुनगर मार्केट धोवहां रोड हडिया प्रयागराज के परिसर में आयोजित विशाल रोजगार मेला 2026 अत्यंत सफल एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

इस रोजगार मेले में कुल 568 प्रतिभागी छात्रों ने सहभागिता की, जिसमें से 218 छात्रों का चयन विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ। यह युवाओं के उज्ज्वल भविष्य एवं आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री बाल गोविंद शुक्ला जी (मुख्य विकास अधिकारी, भदोही) रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती ज्योति यादव जी (ब्लॉक प्रमुख धनुपुर), मानव अधिकार संरक्षण संगठन के संरक्षक श्री मुकेश दुबे जी, रौनक गुप्ता जी, चीफ वार्डन प्रयागराज, पवन पांडे जी (ट्रैफिक इंस्पेक्टर प्रयागराज), विकास इलाहाबादी जी, एवं रामकृष्ण मिश्रा जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अमित द्विवेदी जी प्रबंधक द्वारा की गई तथा संचालन सुनील यादव जी एडवोकेट एवं संतोष यादव प्रधानाचार्य द्वारा किया गया।

इस रोजगार मेले में TVS] Reliance] Flipkart] Tata एवं अन्य प्रतिष्ठित कंपनियों सहित लगभग 15 कंपनियों ने प्रतिभाग कर युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए।

यह आयोजन युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने वाला एक ऐतिहासिक प्रयास सिद्ध हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, अतिथियों एवं सहयोगियों का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा।

मरीजों की सेवा सबसे बड़ा मानव धर्म- डा. सुप्रीत वर्मा

सुल्तानपुर। राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ द्वारा जिले के लगभग 350 मरीजों, तीमारदारों एवं जरूरतमंदों को गरम ताजा निःशुल्क भोजन वितरित किया गया।संघ के तत्वाधान में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं जिला अस्पताल तथा रेलवे स्टेशन परिसर में प्रत्येक बृहस्पतिवार देर शाम निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस अवसर पर संघ अध्यक्ष मेराज अहमद खान के संयोजन में जिला चिकित्सालय स्थित ब्लड बैंक के सामने आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ सर्जन डॉ. सुप्रीत वर्मा, न्यूरो सर्जन यशांक तथा डॉ.आकाश श्रीवास्तव ने जरूरतमंदों को भोजन की थाली वितरित कर किया। सर्जन डॉ. सुप्रीत वर्मा ने कहा कि मरीजों और तीमारदारों को भोजन उपलब्ध कराना अत्यंत सराहनीय एवं मानवीय कार्य है। ऐसे सेवा कार्य समाज में मानवता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। न्यूरो सर्जन यशांक ने कहा कि अस्पतालों में दूर–दराज से आने वाले जरूरतमंद लोगों की सहायता करना पुण्य का कार्य है। सामाजिक संगठनों की यह पहल समाज को नई प्रेरणा देती है। सर्जन डॉ. आकाश श्रीवास्तव ने कहा कि भोजन वितरण जैसे कार्यक्रम जरूरतमंदों के लिए बड़ी राहत साबित होते हैं। हर सक्षम व्यक्ति को समाज सेवा के लिए आगे आना चाहिए।संघ के मार्गदर्शक निज़ाम खान ने बताया कि पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन के मेन्यू में अरहर की दाल, मौसमी सब्जी, रोटी एवं चावल शामिल था।इस पुनीत कार्य में प्रदीप श्रीवास्तव, सुहेल सिद्दीकी, सरदार गुरुप्रीत सिंह, हाजी मुहम्मद मुजतबा अंसारी, जियाऊल कमर सिद्दीकी, राशिद खान, सद्दाम खान, अमानत खान, यूसुफ पठान, बैजनाथ प्रजापति एवं माता प्रसाद जायसवाल सुल्तान महमूद खान कैफी सहित अनेक समाजसेवियों का सहयोग रहा।

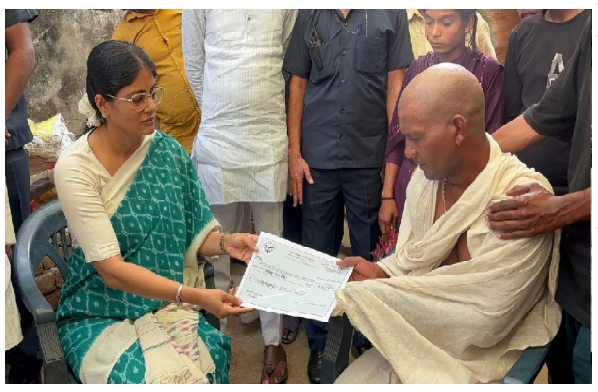

आंधी तूफान में जान गवाने वालो के घर पहुंचकर केन्द्रीय राज्यमंत्री ने मृतक के परिजनो से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्तकरते हुए चार-चार लाख रूपये प्रदान किया सहायता चेक

आपदा प्रभावित परिवार को शासन द्वारा अन्य योजनाओ से भी लाभान्वित कराने का दिया निर्देश

मीरजापुर 15 मई 2026– मा0 केन्द्रीय राज्यमंत्री स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं रसायन उरवरक भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने विगत 13 मई 2026 को सायं काल आए भीषड़ आंधी तूफान में जान गवाने वाले प्रभावित परिवारो के घर पहुंचकर अपनी संवेदना व्यक्त की तथा मृतको के परिजनो को राज्य आपदा मोचन निधि से प्रत्येक परिजन को चार–चार लाख रूपये की सहायता राशि का चेक प्रदान किया। भ्रमण कार्यक्रम के तहत मा0 केन्द्रीय राज्यमंत्री दिल्ली से वाराणसी एयरपोर्ट पहुंचने के बाद सीधे तहसील सदर अन्तर्गत मझवां विकास खण्ड के ग्राम केवटावीर में वंदना पत्नी भगवान दास जिनकी मृत्यु आंधी में दीवार गिरने के कारण हुई थी के आवास पहुंचकर परिजनो से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की तथा चार लाख रूपये का राज्य आपदा मोचन निधि से चेक प्रदान किया। तत्पश्चात मा0 केन्द्रीय मंत्री ने चुनार तहसील अन्तर्गत ग्राम विदापुर मृतक श्रीमती वेला पत्नी हंसराज जिनकी मृत्यु आंधी टीन शेड से चोट लगने के कारण हुई उनके घर पहुचंकर परिजनो से मुलाकात कर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की तथा चार लाख रूपये राज्य आपदा मोचन निधि से चार लाख रूपये का चेक प्रदान किया। तत्पश्चात मा0 केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल पहाड़ी विकास खण्ड के ग्राम सूर्यपुर मृतक लालता प्रसाद पुत्र पंचम जिनकी मृत्यु हवा के झोके से पोखरी में गिरने के कारण तथा ग्राम मोहनपुर भवरख मृतक सरोज देवी पत्नी बाबू लाल बिन्द जिनकी मृत्यु पेड़ से दबने के कारण एवं महेवा निवासी मृतक बिहारी बिन्द पुत्र स्व0 रामचन्द्र जिनकी मृत्यु पेड़ के नीचे गिरने के कारण तथा ग्राम छटहा के रमदेवा मृतक शेरू बिन्द रामदुलार बिन्द जिनकी मृत्यु पेड़ के नीचे दबने कारण हुई तथा ग्राम चपगहना निवासी मृतक अंशू मौर्य पुत्र शिवकुमार मौर्य जिनकी मृत्यु पेड़ से दबने के कारण हुई के घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए राज्य आपदा मोचन निधि से क्रमशः चार–चार लाख रूपये का सहायता चेक प्रदान किया।

मा0 केन्द्रीय राज्यमंत्री स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं रसायन उरवरक भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने ग्राम सूर्यपुर स्व0 लालता पुत्र पंचम की उम्र ग्रामीणो द्वारा लगभग 70 वर्ष के आस पास बताई गई। मा0 केन्द्रीय मंत्री ने मौके पर उपस्थित उप जिलाधिकारी सदर महेन्द्र सिंह को निर्देशित किया कि वयोवृद्ध आयुष्मान योजना के तहत इनका प्राथमिकता के आधार आयुष्मान कार्ड बनवाया जाए तथा मृतक के विधवा पत्नी को विधवा पेंशन व कृषक दुर्घटना बीमा से आच्छादित करते हुए सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि आंधी तूफान से प्रभावित जनपद में सभी मृतक के परिजनो को जो भी शासकीय सहायता नियमानुसार अनुमन्य हो तत्काल कार्यवाही पूर्ण कराते हुए उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर अपर उप जिला मजिस्ट्रेट गुलाब चन्द्र, जिला अध्यक्ष अपना दल एस इंजीनियर राम लौटन बिन्द, दुर्गेश पटेल प्रदेश उपाध्यक्ष, राधेश्याम पटेल जिला उपाध्यक्ष, दारा सोनकर जिला महा सचिव, उदय पटेल युवा जिलाध्यक्ष, कुलदीप पटेल जिला सचिव, सुखराज पटेल जिला कमेटी, हर्षित पटेल युवा जिला महा सचिव, शंकर चौहान जिला मीडिया प्रभारी, रवींद्र पटेल जोन अध्यक्ष कछवा, सहित भाजपा व अपना दल एस के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

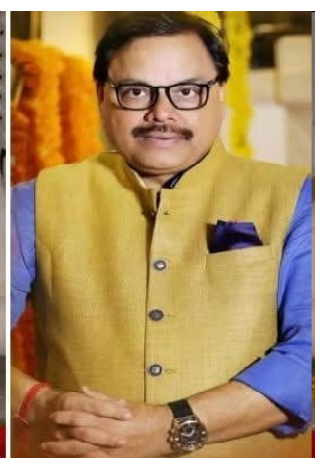

'नकली बताशा फैक्ट्री पर प्रशासन का बड़ा छापा'

सुल्तानपुर। जय चामुंडा मां स्पेशल बताशा की कॉपी कर बाजार में खपाया जा रहा था घटिया माल, स्टॉक सील। शहर में नकली खाद्य कारोबार का बड़ा मामला सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया। नामी ब्रांड जय चामुंडा मां स्पेशल बताशा की पैकिंग और नाम से मिलता–जुलता नकली ब्रांड बनाकर बाजार में घटिया क्वालिटी का बताशा बेचने की शिकायत पर शुक्रवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। शिकायतकर्ता रावल सिंह की सूचना पर सिटी सौरभ सामंत, नगर कोतवाल संदीप राय, खाद्य सुरक्षा विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीम ने संदिग्ध फैक्ट्री पर छापेमारी की। छापे के दौरान भारी मात्रा में संदिग्ध बताशा, नकली पैकिंग सामग्री और ब्रांड से मिलती–जुलती छपी हुई बोरियां बरामद हुईं। टीम ने मौके पर मौजूद स्टॉक को सील कर सैंपल जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया। सूत्रों के मुताबिक आरोपी लंबे समय से मशहूर ब्रांड की साख का फायदा उठाकर सस्ते और घटिया माल को बाजार में उतार रहे थे। कार्रवाई की भनक लगते ही मिलावटखोरों और नकली कारोबारियों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने साफ कहा है कि यदि जांच रिपोर्ट में मिलावट और ब्रांड कॉपी करने की पुष्टि होती है तो आरोपियों पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के साथ कॉपीराइट उल्लंघन और धोखाधड़ी की धाराओं में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डॉ0 महेंद्रनाथ पांडे ने किया दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग प्रदर्शनी का उद्घाटन

आज दिनांक 15 मई 2026 को पं0 दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 का 02 दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज के नेतृत्व में 15 एवं 16 मई को आयोजित किया गया है । प्रशिक्षण वर्ग में प्रदर्शनी का

उद्घाटन पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने किया । प्रशिक्षण वर्ग के जिला प्रभारी पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश त्रिवेदी एवं जिला प्रभारी श्रीमती सरोज कुशवाहा रही । डॉ0 महेन्द्र नाथ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त बनाने हेतु पं0 दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान एक ऐतिहासिक पहल है । पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी के 'एकात्म मानववाद' और 'अंत्योदय' के सिद्धांत को जन–जन तक पहुंचाने के लिए यह महाअभियान चलाया जा रहा है । इसका मुख्य उद्देश्य है – प्रत्येक बूथ स्तर के कार्यकर्ता को भाजपा की रीति–नीति, संगठन पद्धति, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और राष्ट्रवादी विचारधारा का प्रशिक्षण देना । यह महाभियान केवल प्रशिक्षण नहीं, बल्कि कार्यकर्ता निर्माण का यज्ञ है । जब कार्यकर्ता वैचारिक रूप से मजबूत होगा, तभी वह समाज के अंतिम व्यक्ति तक पार्टी और सरकार की बात पहुंचा पाएगा । पं0 दीनदयाल जी कहते थे, "राजनीति का उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज सेवा है ।" यही भाव इस महाअभियान की आत्मा है ।

उक्त प्रशिक्षण वर्ग में प्रमुख रूप से सभी जनप्रतिनिधिगण, जिला पदाधिकारीगण, पूर्व जिलाध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारीगण, मण्डल अध्यक्षगण, मण्डल प्रभारीगण, मोर्चो के जिलाध्यक्ष एवं महामंत्री, प्रकोष्ठ एवं विभाग के जिला संयोजक व सह संयोजक एवं अन्य अपेक्षित पदाधिकारीगण उपस्थित रहे ।

प्रतापगढ़ के बेटे ने माँ की ममता को दिया अमर आकार- चंदीपुर में बनाया भव्य 'दुर्गा भक्तिधाम'।

जय प्रकाश मिश्रा संवाददाता जौनपुर

उत्तर प्रदेश प्रतापगढ़ संसार में माँ का स्थान ईश्वर से भी ऊँचा माना गया है। लेकिन अरुण मिश्रा का अपनी माँ के प्रति लगाव जगजाहिर है। चंदीपुर धाम में बना यह मंदिर उनकी माँ की स्मृति को समर्पित है। इस मंदिर के निर्माण का

प्रतापगढ़ के लाल अरुण मिश्रा ने अपनी पूजनीय माँ के प्रति अटूट प्रेम और श्रद्धा को एक जीवंत रूप देकर मिसाल कायम की है। अरुण मिश्रा ने चंदीपुर, प्रतापगढ़ में अपनी स्व. माँ की याद में एक भव्य और दिव्य मंदिरकृष्णाँ दुर्गा भक्ति धामश (चंदीपुर धाम)कृका निर्माण करवाया है। यह मंदिर न केवल आस्था का केंद्र बन गया है, बल्कि सामाजिक संदेश की एक अनूठी नजीर भी है।

ममता और आस्था का संगम मुंबई में स्थापित उद्योगपति उद्देश्य माँ के निरूस्वार्थ प्रेम को शाश्वत (अमर) बनाना और समाज को यह संदेश देना है कि जन्म देने वाली माता ही सर्वोच्च पूजनीय है।

दिव्य वास्तुकला और शांति का वास

चंदीपुर धाम मंदिर परिसर की भव्यता देखते ही बनती है। चिलबिला से सुल्तानपुर रोड पर स्थित, यह धाम भक्तों को एक अलौकिक सुख और शांति प्रदान करता है। मंदिर में स्थापित माँ दुर्गा की प्रतिमा भक्तों को निहारने पर मजबूर कर देती है। यह धाम अब केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि एक पर्यटन केंद्र के रूप में भी विकसित हो रहा है।

कोरोना काल में बना आशा की किरण बने

अरुण मिश्रा जी का यह नेक कार्य केवल मंदिर निर्माण तक सीमित नहीं है। उनका व्यक्तित्व सामाजिक कार्यों के लिए जाना जाता है। कोरोना काल के दौरान, जब लोग अपने घरों में कैद थे, तब उन्होंने हजारों प्रवासियों के लिए भोजन, पानी और परिवहन की व्यवस्था की थी. उनके नेक कार्यों की प्रशंसा राष्ट्रीय स्तर पर भी हुई है.

समाज में जा रहा सकारात्मक संदेश

इस भव्य मंदिर के माध्यम से अरुण मिश्रा जी ने यह संदेश दिया है कि सफलता कितनी भी बड़ी क्यों न हो, अपनी जड़ों और माता–पिता को कभी नहीं भूलना चाहिए। यह मंदिर नई पीढ़ी को अपने माता–पिता का सम्मान करने और उनके जाने के बाद भी उनकी यादों को संजोकर रखने की प्रेरणा दे रहा है।

दर्शनीय स्थल–

चंदीपुर धाम नवरात्रि और अन्य धार्मिक त्यौहारों पर हजारों भक्तों का केंद्र रहता है। यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं को यह अनुभव होता है कि यह स्थान माँ की भक्ति और ममता का साक्षात दर्शन कराता है।

तहसील बार एसोसिएशन रामनगर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जनपद बाराबंकी की तहसील रामनगर स्थित जनसभागार में शुक्रवार दोपहर दो बजे तहसील बार एसोसिएशन रामनगर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में अधिवक्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों की भारी उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम का वातावरण उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय बना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम न्यायालय रामनगर के न्यायाधीश रवींद्र कुमार रावत तथा पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपजिलाधिकारी आनंद कुमार तिवारी एवं तहसीलदार विपुल सिंह ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता युगुल किशोर मिश्र ने की, जबकि कार्यक्रम का शानदार संचालन अधिवक्ता रामकुमार सोनी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान नवनिर्वाचित तहसील बार अध्यक्ष शिवप्रकाश अवस्थी तथा महामंत्री कमलापति तिवारी ने किया।बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं महामंत्री व उपाध्यक्ष ने शपथ ग्रहण की अपने संबोधन में अतिथियों ने अधिवक्ताओं की भूमिका को न्याय व्यवस्था की रीढ़ बताते हुए नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि अधिवक्ता समाज के हितों की रक्षा के साथ–साथ न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समारोह में वरिष्ठ अधिवक्ता कौशल किशोर त्रिपाठी, समाजसेवी नगर के चेयरमैन रामशरण पाठक, पूर्व महामंत्री सुरेश चंद्र मिश्र, अधिवक्ता संदीप दीक्षित (गोपी) , अधिवक्ता मनीष शुक्ला, अंकित मिश्रा, अधिवक्ता अनमोल मिश्रा चौतन्य नारायण, अधिवक्ता निरंकार त्रिवेदी, एल्डर कमेटी के अध्यक्ष राकेश कांत मिश्र, गौरीशंकर तिवारी, बद्रीविशाल त्रिपाठी, सतीश शुक्ल, अधिवक्ता जगदंबा सिंह. छेदी सिंह. अधिवक्ता गिरिजेश जगदंबा सिंह, छेदी सिंह, अधिवक्ता गिरिजेश शुक्ल, बी डी खान, वरिष्ठ अधिवक्ता रीतेश मिश्र, श्रवण कुमार सिंह, सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं सम्मानित नागरिक मौजूद रहे।अधिवक्ता श्रवण कुमार सिंह, कौशल किशोर त्रिपाठी ने एस डी एम एवं पूर्व विधायक से बताया अधिवक्ता चेंबर बनाए जाने की मांग की तथा तहसील जन सभागार छोटा होने पर बड़ा बनाए जाए जिसपर जनप्रतिनिधि शरद कुमार अवस्थी एवं एस डी एम ने आश्वासन दिया। पूर्व विधायक ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी। कार्यक्रम के समापन की घोषणा वरिष्ठ अधिवक्ता युगुल किशोर मिश्रा ने की जिसमें आपसी सौहार्द एवं संगठन की मजबूती के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

जिलाधिकारी ने देवापुर (एन0एच0-35) से भटौली सेतु को जोड़ने हेतु मीरजापुर बाईपास मार्ग के सम्बंध में बैठक कर की समीक्षा

मीरजापुर 15 मई 2026– जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद मीरजापुर मे देवापुर (एन0एच0–35) से भटौली सेतु को जोडने हेतु मीरजापुर बाईपास मार्ग का निर्माण संबंधित भू–स्वामियों से आपसी समझौते के आधार पर भूमि क्रय करने हेतु उक्त मार्ग निर्माण में प्रभावित 07 गमो क्रमशः दुल्लहपुर, भुईली पाण्डेय, भुईली दूबे, माधोपुर, शिवमऊ, बैदौली खुर्द एवं जौसरा के किसानों के साथ भूमि क्रम के सम्बन्ध मे सहमति हेतु बैठक की गयी। जिसमें उक्त ग्रामो के मार्ग निर्माण मे प्रभावित किसानों द्वारा प्रतिभाग किया भाग किया गया जिलाधिकारी भूमि क्रय के सम्बंध में किसानो को हेक्टेयरवार मुआवजे के बारे में विस्तृत जानकारी दी जिस पर भूमि क्रय के सम्बन्ध में किसानों द्वारा सहमति भी दी गयी। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0रा0 अजय कुमार सिंह, भूमि अध्याप्ति अधिकारी गुलाब चन्द, अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड अशोक कुमार, लोक निर्माण विभाग, मीरजापुर एवं लो0नि0वि0 के विभिन्न सहायक अभियन्ता व अवर अभियन्तागण उपस्थित रहे।

ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों के 'दिल्ली-विमर्श' के निहितार्थ

देखा जाए तो नई दिल्ली में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। दो दिनों का यह 18वां शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोर्चे पर अस्थिरता से गुजर रही है। ब्रिक्स के सदस्य देश – ईरान और यूएई सीधे तौर पर इस हलचल में शामिल है। ऐसे में यह जुटान पूरी दुनिया के लिए अहम हो जाती है।ब्रिक्स (ठत्ब्रै) के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय दिल्ली बैठक ने दुनिया को कई महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक संदेश दिए हैं, जिनके कूटनीतिक निहितार्थ को समझने की जरूरत है। अन्यथा शेष दुनिया को अमेरिकी–यूरोपीय दादागिरी (नाटो सैन्य गठबंधन) के दुनियावी दांवपेंचों से निजात मिलनी मुश्किल है। लिहाजा, इस बैठक में मुख्य रूप से वैश्विक शक्ति–संतुलन, अमेरिकी प्रतिबंध नीति, पश्चिम एशिया संकट, वैश्विक व्यापार व्यवस्था और "ग्लोबल साउथ" की भूमिका पर जोर दिखाई दिया।देखा जाए तो नई दिल्ली में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। दो दिनों का यह 18वां शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोर्चे पर अस्थिरता से गुजर रही है। ब्रिक्स के सदस्य देश – ईरान और यूएई सीधे तौर पर इस हलचल में शामिल है। ऐसे में यह जुटान पूरी दुनिया के लिए अहम हो जाती है। इस अहम बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, रूस के विदेश मंत्री सर्जेई लावरोव और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची जैसे नेताओं के दूरदर्शिता भरे बयान विशेष चर्चा में रहे। जिसके दुनियावी मायने बेहद अहम हैं।जिस तरह से कूटनीतिक सम्मेलन के पहले ही दिन जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ लगाए जाने वाले एकतरफा प्रतिबंधों का जिक्र किया, जो सबसे ज्यादा विकासशील देशों को नुकसान पहुंचाते हैं। स्वाभाविक तौर पर उनका इशारा अमेरिका है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों की वजह से दुनिया को बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं, ईरान मामले में भी गतिरोध की वजह बहुत हद तक वॉशिंगटन की अव्यवहारिक मांगें है। ब्रिक्स के बड़े मंच से उठी आवाज का असर ज्यादा होगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का उद्घाटन भाषण मौजूदा चुनौतियों का सही खाका खींचता है। पश्चिम एशिया पर मंडराता युद्ध का खतरा, ऊर्जा संकट, सप्लाई चेन में रुकावट और जलवायु परिवर्तन ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। तमाम देशों की अर्थव्यवस्था को मंदी में फंसने का डर सता रहा है। ऐसे में जैसा कि विदेश मंत्री ने कहा, विकासशील देशों ने ब्रिक्स से यह उम्मीद लगाई

है कि यह मंच स्थिरता कायम करने में सकारात्मक भूमिका अदा करेगा। इसके कतिपय निहितार्थ इस प्रकार हैं–

पहला, एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौतीरू बैठक का सबसे बड़ा संदेश यह था कि दुनिया अब केवल अमेरिका–केन्द्रित व्यवस्था पर निर्भर नहीं रहना चाहती। ब्रिक्स देशों ने "मल्टीपोलर वर्ल्ड" के दृष्टिगत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। इसका अर्थ है कि वैश्विक निर्णयों में पश्चिमी देशों के साथ एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की शक्तियों की भी बराबर भूमिका हो।दूसरा, अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोधरू भारत, रूस, चीन और ईरान सहित कई देशों ने एकतरफा प्रतिबंधों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और संप्रभुता के खिलाफ बताया। विशेष रूप से एस जयशंकर ने कहा कि प्रतिबंध और दबाव कूटनीति का विकल्प नहीं हो सकते। यह संदेश सीधे तौर पर अमेरिका की प्रतिबंध नीति की आलोचना माना गया। तीसरा, डॉलर प्रभुत्व कम करने का संकेतरू बैठक में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों पर भी चर्चा हुई। यह संदेश था कि ब्रिक्स देश डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं ताकि अमेरिकी आर्थिक दबाव का असर घटाया जा सके।चतुर्थ, पश्चिम एशिया संकट पर चिंतारू ईरान–इजराइल तनाव और समुद्री मार्गों की सुरक्षा बड़ा मुद्दा रहा। ब्रिक्स देशों ने रेड सी और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे मार्गों की सुरक्षा पर जोर दिया। दुनिया को यह संदेश दिया गया कि क्षेत्रीय युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि इस मंच के सामने भी चुनौती है। ईरान और यूएई के आपसी रिश्ते ठीक नहीं चल रहे। जबकि चीन ने अपने विदेश मंत्री को नहीं भेजा है। एक बात और, जब सम्मेलन की शुरुआत हुई, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग तब ट्रंप की मेजबानी में व्यस्त थे। ब्रिक्स के सबसे बड़े विरोधी ट्रंप है। उन्हें लगता है कि यह मंच अमेरिकी हितों के खिलाफ खड़ा किया गया है। मेजबान होने के नाते यह भारत की जिम्मेदारी है कि यहां से निकला संदेश किसी के विरोध में नहीं, साझा हित में हो। भारत के पास सभी सदस्यों को करीब लाने और मौजूदा संकट का समाधान पेश करने का मौका है।पांचवां, ग्लोबल साउथ की राजनीतिक आवाजरू बैठक में यह स्पष्ट हुआ किब्रिक्स स्वयं को केवल आर्थिक समूह नहीं, बल्कि विकासशील देशों की सामूहिक राजनीतिक आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों की समस्याओंकृजैसे खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा संकट और कर्जकृको वैश्विक एजेंडा में प्रमुखता देने की बात कही गई।

छठा, संयुक्त राष्ट्र सुधार की मांगरू भारत और ब्राजील ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और विकासशील देशों के अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता दोहराई। यह संदेश था कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी संस्थाओं में अब नई वैश्विक वास्तविकताओं के अनुसार बदलाव होना चाहिए। सातवां, ब्रिक्स के भीतर मतभेद भी सामने आएरू हालांकि बैठक में एकजुटता दिखाई गई, लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि सभी सदस्य अमेरिका–विरोधी नीति पर पूरी तरह एकमत नहीं हैं। भारत और ब्राजील जैसे देश पश्चिम के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहते हैं, जबकि रूस और ईरान अधिक आक्रामक रुख चाहते हैं। इससे यह संकेत मिला कि ब्रिक्स अभी पूर्ण राजनीतिक गठबंधन नहीं, बल्कि साझा हितों वाला मंच है। समग्र रूप से कहा जाए तो, इस बैठक का वैश्विक संदेश यह था कि उभरती शक्तियाँ अब विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था में अधिक स्वतंत्र, संतुलित और पश्चिम से अलग भूमिका चाहती हैं।

सम्पादकीय

भारत की संभावनाओं पर लगते ग्रहण का परिणाम

सात साल बाद बर्नस्टीन रिसर्च ने प्रधानमंत्री को अपनी दूसरी चिट्ठी लिखी है, जिसमें वह भारत को लेकर चिंता में डूबा नजर आया है। इसमें उसने भारत की विकास कथा के लिए खड़ी कठिन चुनौतियों पर रोशनी डाली है।

अंतरराष्ट्रीय इक्विटी रिसर्च एवं ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन ने पत्र लिख कर प्रधानमंत्री को उन गंभीर आर्थिक स्थितियों से आगाह किया है, जो भारत की विकास कथा के लिए खतरा बन रही हैं। इसी फर्म ने 2019 के आम चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत के बाद भी नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था। तब बर्नस्टीन भारत की संभावनाओं को लेकर आशावादी थी। तब उसने कहा था कि पूंजी मुहैया करवा कर बैंकिंग सिस्टम को दुरुस्त कर लिया जाए और दिवालिया संहिता (आईबीसी कोड) को कारगर बना दिया जाए, तो आर्थिक विकास की पटरी पर भारत तेज रफ्तार से दौड़ सकता है। अब सात साल बाद बर्नस्टीन रिसर्च भारत को लेकर गहरी चिंता में डूबा नजर आया है। उसने भारत की विकास कथा के लिए खड़ी चुनौतियों पर रोशनी डाली है। कहा है कि रोजगार का प्रश्न अब चक्रीय नहीं रहा, बल्कि यह भारत के अस्तित्व से जुड़ गया है। बर्नस्टीन ने कहा है कि भारतीय कृषि 1970 के दशक के नीति–जाल में अटकी हुई है। नतीजतन, जीडीपी में 15–16 प्रतिशत योगदान के बावजूद इस पर श्रम शक्ति का 42–45 प्रतिशत हिस्सा निर्भर है। पत्र में आगाह किया गया है कि भारत के सामने यह स्थायी खतरा खड़ा है, जिससे वह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का निर्माता नहीं, बल्कि उपभोक्ता भर बन कर रह जाएगा।

उधर मैनुफैक्चरिंग में गहराई के अभाव में देश की महत्त्वाकांक्षाएं ठोस आधार नहीं पा सकी हैं। जिन क्षेत्रों में निर्यात बढ़ा है, उनमें भी चीनी पाट–पुर्जों पर 30–40 प्रतिशत निर्भरता बनी हुई है। बर्नस्टीन ने चेताया है कि नकदी ट्रांसफर की योजनाओं की आई बाढ़ के कारण भारत के निम्न उत्पादकता वाला देश बने रह जाने की स्थिति बन रही है। और आखिर में बर्नस्टीन ने दो–टूक कहा है कि कोई देश अनुसंधान एवं विकास पर अपनी जीडीपी का महज 0.6– 0.7 प्रतिशत खर्च कर विकसित नहीं हो सकता। ये वो बातें हैं, जिनकी ओर देश के लिए चिंतित वर्ग अक्सर ध्यान खींचता है। मगर अब खास बात यह है कि वित्तीय पूंजीवाद की प्रमुख वैश्विक संस्थाएं भी वही बात कहने लगी हैं। यह भारत की संभावनाओं पर लगते ग्रहण का परिणाम है।

उत्तर प्रदेश,असम, पश्चिमी बंगाल में विरोधी दलों का मुस्लिम तुष्टिकरण , खतरे की घंटी।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, असम में कांग्रेस, पश्चिमी बंगाल में तृणमूल कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण के भंवर जाल में फंसती नजर आ रही हैं। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में 2012–2017 तक समाजवादी पार्टी की सरकार रही लेकिन उसके बाद से 2017 से 2026 तक भारतीय जनता पार्टी की सरकार है 2027 में आरंभ में चुनाव है। दो टर्म से भी भाजपा सत्ता में है और 1989 के बाद पहला मौका है जब सरकार लौटी है।उत्तर प्रदेश 23 करोड़ आबादी वाला भारत का सबसे बड़ा प्रदेश है।403 सदस्यीय विधानसभा के अलावा 80 लोकसभा सीट सर्वाधिक है। उत्तर प्रदेश गंगा, जमुना,गंडक,तीर में बसा हराभरा प्रदेश है। भौगोलिक हिसाब से पश्चिमी उत्तर प्रदेश,मध्य उत्तर प्रदेश,पूर्वी, और अवध में बटा हुआ है। समझा जाता है कि इस प्रदेश में सर्वाधिक कृषि भूमि है।आम, गन्ना, आलू, सब्जियों का बहुत बड़ा उत्पादन होता है। इस प्रदेश की राजनीत के बारे में कहा जाता है कि दिल्ली का रास्ता उत्तर प्रदेश हो कर जाता है। गेहूं, बाजरा, अरहर, मूंग, उड़द,का भारत का सबसे बड़ा उत्पादन होता है। उत्तर प्रदेश की राजनीत हमेशा से सर्वोपरि रही है। आजादी के बाद पंडित जवाहरलाल नेहरू,लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, विश्वनाथ प्रताप सिंह, चंद्रशेखर, अटल बिहारी वाजपेई, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी प्रदेश से चुने जाते रहे ।इस उत्तर प्रदेश में मुस्लिम लगभग बीस फीसदी के आसपास है। आगरा, अलीगढ़, हापुड़, मेरठ, मुज्जफर नगर, सहारनपुर, मुरादाबाद, रामपुर, लखनऊ, बरेली, सीतापुर सहित अनेक जिले मुस्लिम बाहुल्य है।

मुस्लिम तुष्टिकरण की शुरुआत सबसे पहले समाजवादी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने की जब रामजन्भूमि आंदोलन हो रहा था। उसके बाद वे मुख्यमंत्री बने तो मुस्लिमों के लिए मदरसे, कब्रिस्तान, उलेमा के लिए मस्जिदें बनाई गई वह भी शासकीय धन से, बदले में भारतीय जनता पार्टी ने हिंदुओं का धुव्रीकरण आरंभ किया। अखिलेश यादव ने मुलायम सिंह से बढ़कर मुस्लिम तुष्टिकरण किया । नरेंद्र मोदी सरकार आने के बाद हिंदुओं ने भी कुछ ध्रुवीकरण किया। हालांकि उत्तर प्रदेश में 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने 37 सीट जीती।बताया जाता है कि उत्तर प्रदेश में कुल आबादी का 19 से 23 फीसदी तक

भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन उत्थान और पतन की अकथ-कथा

डॉ. सुधीर सक्सेना

शुरूआत सचमुच शानदार थी। भारत ब्रिटेन का उपनिवेश थाय दमन, शोषण और दीनता का शिकार दास राष्ट्र। महात्मा गांधी विश्व–इतिहास के अलीक–योद्धा के तौर पर परिदृश्य में उभर रहे थे। सारा राष्ट्र आजादी के लिये व्यग्र था। ऐसे में एक नये वैचारिक–आंदोलन ने भारत में प्रवेश किया और सर्वथा अलहदा मिजाज की एक पार्टी ने भारत में जन्म लिया। इसमें केन्द्रीय और अग्रणी भूमिका थी एमएन राय यानि मानवेंद्र नाथ राय की, जिन्हें सोवियत संघ जैसे विशाल राष्ट्र के सर्वेसर्वा बलादिमीर इलिच लेनिन का संग–साथ और विश्वास हासिल था। हुआ यह कि 17 अक्टूबर, सन 1920 को पामीर पार ताशकंद में कम्युनिस्ट इंटरनेशनल की दूसरी कांग्रेस की बैठक हुई और इसने भारत में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के गठन की पूर्वपीठिका रच दी। विचार मंथन और सांगठनिक प्रयासों के बाद अंततरू 25 दिसंबर, सन 1925 को भारत के मैनचेस्टर कानपुर में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का गठन हुआ। इसके शुरूआती नेताओं में एमएन राय के अलावा अबनि मुखर्जी, मोहम्मद अली और शफीक सिद्दिकी प्रमुख थे। 25 दिसंबर, सन 2025 से काल गणना करें तो भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन की एक सदी पूरी हो चुकी है। इस मान से यदि एक शती के वृत्तांत यानि कम्युनिस्ट आंदोलन के हश्र को बांचें तो बहुत दिलचस्प चटख और ध्रुमिल रंगों का कोलाज उभरता है। बालीवुड की फिल्म की तर्ज पर हम इसे राइज एण्ड फाल आफ कम्युनिस्ट मूवमेंट–कम्युनिस्ट आंदोलन का उत्थान और पतन भी कह सकते हैं। इस वृत्तांत में लंबे रक्तिम संघर्ष हैं और गर्वीली सफलतायें भी। वहां विफलतायें हैं और बिखराव भी। वहां विमर्श है और विभ्रम भी। संघर्ष, निष्ठा, समर्पण, बलिदान और अनेक महत्वपूर्ण योगदानों के बावजूद इसकी अंततरू शोकांतिका में परिणिति विस्मयकारी है, जो बहुतों को शोकाकुल करती है, तो बहुतों को हर्षित भी। क्या वजह है कि ऐसा हुआ? क्या ऐसा होना वृहत्तर समाज के स्वास्थ्य और भविष्य के लिहाज से सुखद है अथवा इसे विडंबना या त्रासदी माना जाये।

विश्व कम्युनिस्ट आंदोलन और भारत के रिश्तों से शुरू करें तो कई अहम निष्कर्ष निकलते हैं। आंदोलन के प्रणेता कार्ल मार्क्स पहले मनीषी हैं, जिसने सन 1857 के अंग्रेजों द्वारा प्रचारित गदर को स्वतंत्रता संग्राम की संज्ञा दी। मार्क्स की भारत के इतिहास में गहरी रूचि थी और वह भारत की आजादी के हिमायती थे। इसमें कोई शक नहीं कि बीसवीं सदी विश्व स्तर पर वाम विचारों की सदी थी और इसने सभी महाद्वीपों में करोड़ों लोगों को वैचारिक तौर पर प्रभावित और आंदोलित किया। श्रमिकों, लेखकों और कलाकारों पर इसका प्रभाव अभूतपूर्व था। श्रम की महत्ता और गरिमा का पाठ प्रस्तुत कर इसने अनेक देशों में कू–दे–ता (तख्तापलट) की स्थितियां पैदा कींय साहित्य कला और संस्कृति में नये आंदोलन उपजाये, पूंजीवादी–ईमान को डगमग किया, श्रमिकों के लिए बेहतर वातावरण सृजित किया, पारंपरिक रूढ़ियों के प्रति असंतोष उपजाया, उपनिवेशवाद के खिलाफ अलख जगाई और युवा वर्ग की आंखों में नये सपने आंजे। उसने गैर–बराबरी के खिलाफ बराबरी, शोषण के खिलाफ मुक्ति और दासता के खिलाफ स्वतंत्रता की हिमायत की। यह विश्व इतिहास में परंपरा और रूढ़ियों के खिलाफ विचलन और हस्तक्षेप का सर्वथा भिन्न और अपूर्व उपक्रम था। हम स्तालिन, गोर्की, चेखव, माओ, होची मिन्ह, चेग्वेरा, कास्त्रो, नाजिम, हिकमत, फैज, रेजिस द ब्रे, चार्ली चौप्लिन आदि की बात न कर यदि भारतीय परिदृश्य पर भी दृष्टिपात करें तो बड़े और सितारा नेताओं, कवियों, कलाकारों, दार्शनिकों और कार्यकर्ताओं में कौन है, जिसे सोवियत क्रांति अथवा साम्यवादी विचारों व आंदोलनों ने प्रभावित नहीं किया? पं. नेहरू से लेकर भगत सिंह तक, रबींद्रनाथ ठाकुर से लेकर प्रेमचंद तक, राजकपूर से लेकर बलराज साहनी तक, माखनलाल चतुर्वेदी से लेकर गणेश शंकर विद्यार्थी तक नामों की एक अछोर कतार है, जिन्हें साम्यवादी विचारों ने आलोड़ित किया। शहीदे आजम भगत सिंह तो फांसी के तख्ते की ओर जाने से कुछ क्षण पहले तक लेनिन की जीवनी पढ़ रहे थे.... और लेनिन? लेनिन तब नहीं थे, लेकिन बड़ी बात यह है कि लेनिन क्या थे? लेनिन भारत से गेहरे प्रेम में डूबी हुई – महान क्रांतिकारी शख्सियत थे। उन्होंने बंगाल विभाजन के विरोध में लिखा, जालियांवाला कांड की निंदा की, तिलक को मांडले जेल भेजन का विरोध किया, महात्मा गांधी की अगुवाई में आजादी की लड़ाई का समर्थन किया, भारत में अकाल पर अंग्रेज–नीतियों की निंदा की और भगत सिंह जैसे महान क्रांतिकारी समेत सैकड़ों युवकों के विचारों को प्रज्वलित किया। निश्चित ही, लेनिन अपने प्रति भारतवासियों के बेहतर सोच और सलूक के हकदार हैं। बाद के दौर को देखें तो भी सोवियत और फिर रूस के शासक और जन भारत के प्रति प्रेम, सम्मान और सदिच्छा रखते हैं। चाहे बुल्गानिन, ब्रेभनेव, खुश्चेव और कोसीगिन रहे हों या फिर पुतिन। बावजूद इन संदर्भों के भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन बिखरता गया। उन्होंने यत्नपूर्वक ट्रेड यूनियनों को संगठित किया, इंडियन कॉफी हाऊस जैसे दर्जनों संस्थाओं के हेतु बने, सन 1957 में केरल में पहली निर्वाचित सरकार का गठन हुआ, पश्चिम बंगाल में कई दहाइयां उनके लाल झंडे के तले बीतीं, देवेगौड़ा और गुजराल की केन्द्रीय सरकारों में उनकी भागीदारी रही, साहित्य और कला के लोक में उनकी केंद्रीय इयत्ता रही, लेकिन मोटे तौर पर बीती पाव सदी में भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन का शीराजा बिखरता गया। क्यों?

भारत में कम्युनिस्टों का इतिहास आंदोलनों का इतिहास है। आंदोलन यानि संघर्ष। संघर्ष यानि विचलन। विचलन यानि मौजूदा स्वरूप, मौजूदा ढांचे मौजूदा समीकरणों के स्थान पर नया स्वरूप, नया ढांचा, नये समीकरण। यानि परिवर्तन। यथास्थिति नहीं, बदलाव। जड़त्व नहीं गतिज। नयी वैचारिकी। नया उन्मेष। अब परंपरा के सन्दर्भ में इन परिवर्तनों की भूमिका पर गौर करें। एक बंद रूढ़िग्रस्त समाज में ग्लासनोस्त (खुलापन) और पिरिस्त्रोइका (पुनर्रचना) की जरूरत, उसके प्रति पारंपरिक सोच और तज्जन्य प्रतिकार पर तवज्जो दें। हश्र के वजूहात स्पष्ट हैं। जहां परिवर्तन के बजाय परंपरा श्रेष्ठ और श्रेयस्कर हो, वहां आप कब तक और कहां तक जूझेंगे? संघर्ष जब थकता है, तो सुविधा मांगता है। हर कौम, नस्ल और समाज का अपना डीएनए होता है। भारत में कम्युनिस्ट विचारधारा को श्देशी बागीचे में विदेशी बेलश या विजातीय प्रजाति माना गया। रूपक गढ़ा गया कि जब मस्क्वा में बारिश होती है तो भारत में कम्युनिस्ट अपनी छतरियां खोल लेते हैं। यह नैरेटिव भी पनपा कि भारतीय कम्युनिस्टों का रिमोट कंट्रोल मस्क्वा और बीजिंग के हाथों में है। भारत में कम्युनिस्टों की विफलता का एक बड़ा मुद्दा उनकी धार्मिक सोच भी रहा। एक धर्मप्राण राष्ट्र में धर्म को अफीम बताना लोगों के गले नहीं उतरा। यह बात भी घर–घर फैलाई गई कि कम्युनिस्ट राज में तो सब कुछ सरकारी है। नौकरी भी और बच्चे भी। कम्युनिस्ट आयेंगे तो मंदिर बंद हो जायेंगे और बच्चों को सरकार छीन लेगी। और आपकी संपत्ति भी आपकी नहीं होगी। स्पष्ट है कि ये श्नैरेटिवश काम कर गये। एक धर्मप्राण आस्था से परंपराजीवी महादेश में परिवर्तन के ध्वजवाहक सफलता की पताकायें कहां फहराते? मेरा निजी अनुभव है कि परंपरा पोषक कर्मकाण्डी घरों में श्साला कम्युनिस्टश गाली की तरह इस्तेमाल होने लगा। भारतीय समाज में वैसे भी तर्क के लिये कम ठौर रहा है। कम्युनिस्टों की गलती रही या मूर्खता कि वे साम्यवादी सोच या विचारधारा को भारतीय या देशज शब्दावली और सांचे में नहीं ढाल सके और कई बार उन्होंने राष्ट्रीय परिस्थितियों को नजरंदाज कर तदनुरूप निर्णय लेने के बजाय श्रुपरीश निर्देश पर फैसले किये। वे बूर्ज्वा, वर्ग संघर्ष, सर्वहारा की आयातित शब्दावली में उलझे रहे। नतीजतन उनका दायरा सीमित रहा। वे अंदरूनी इलाकों या वृहत्तर भूभाग में जमीन नहीं गोड़ सके।

ऐसा नहीं है कि भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन की पंजी में चमकीली घटनाएं या चेहरे नहीं हैं। आज की दलदली राजनीति में कम्युनिस्ट नेता ही है जो भ्रष्टाचार के आरोपों से कभी नहीं बिंधे। ज्योति बसु का प्रधानमंत्री बनने से इंकार भारतीय राजनीति की विरल घटना है। भारत में जब भी आंदोलनों का इतिहास लिखा जायेगा, तेभागा और तेलंगाना आंदोलन, नलगोंडा, वारंगल और खम्मम का कर्ज माफी आंदोलन, नक्सलबाड़ी संघर्ष का भी जिक्र होगा। इसी विचार ने हमें इंकलाब जिंदाबाद, दुनिया के मजदूरों एक हो, हर जोर जुलम की टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है, रोटी कपड़ा लेकर रहेंगे जैसे नारे दिये। इसी ने हमें हम होंगे कामयाब और वो सुबह कभी तो आयेगी जैसे गीत और साहिर और शैलेन्द्र जैसे अनेक बड़े गीतकार दिये। इसी ने पत्रकारों को श्रमजीवी के खाने में वर्गीकृत किया। कम्युनिस्टों ने हमें नंबूदरीपाद, बीटी रणदिवे, एके गोपालन, श्रीपाद अमृत डांगे, पीसी जोशी, अजय घोष, हरकिशन सुरजीत, ज्योति बसु, अच्युत मेनन, इंद्रजीत गुप्त, प्रकाश कारंत, वृंदा करात, जैसे बेदाग चेहरे दिये। मगर आज कम्युनिस्ट पार्टियों का फलक बेनूर है। वह बार–बार विघटन और विभाजन की भी शिकार रही। कांग्रेस ने उसे पोसा भी और ग्रसा भी। कम्युनिस्ट पश्चिम बंगाल तो पहले ही गँवा चुके थे, चार मई को उनका केरल का अंतिम लाल किला भी ढह गया। भारत नक्सलमुक्त हो चुका है। एक शती के बाद के पहले वर्ष में उनका यह हश्र भारतीय राजनीति का काबिलेगौर अध्याय और पाठ है, लेकिन चीजें लौटती हैं। नये–नये रंग रूपों में। और फिर विचार मरा नहीं करते। वे फीनिक्स पक्षियों की मानिंद होते हैं। परंतु इतिहासजन्य ताजा सच यही है कि कम्युनिस्ट विचारधारा के लिए भारत की माटी तो मुफीद थी, लेकिन आबोहवा अनुकूल नहीं बैठी।

ट्रंप और जिनपिंग की दोस्ती ने बदल डाले वैश्विक राजनीतिक समीकरण, फनंक का भविष्य अधर में

ट्रंप की चीन यात्रा ने यह भी साफ कर दिया कि चीन को अलग थलग करने की अमेरिकी रणनीति अब पहले जैसी प्रभावी नहीं रह गई है। वहीं बीजिंग ने ट्रंप की इस यात्रा को केवल कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं रहने दिया, बल्कि इसे अपनी तकनीकी, आर्थिक और सामरिक शक्ति के प्रदर्शन में बदल दिया।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा बदलती विश्व व्यवस्था का ऐसा प्रतीक बनकर सामने आई जिसने वैश्विक राजनीति की दिशा पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ ट्रंप की लंबी बैठकों, व्यापारिक समझौतों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी सहयोग पर चर्चा तथा अमेरिकी उद्योगपतियों की भारी मौजूदगी ने यह संकेत दिया कि तमाम टकरावों और आरोपों के बावजूद अमेरिका और चीन एक दूसरे से अलग नहीं हो सकते। इसी के साथ यह सवाल भी तेज हो गया है कि क्या इस यात्रा ने क्वॉड जैसे रणनीतिक समूहों के भविष्य पर भी अनिश्चितता पैदा कर दी है?दिलचस्प बात यह है कि पिछले वर्ष जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन सम्मेलन के दौरान शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी, तब ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि "अमेरिका भारत को चीन और रूस के हाथों खो रहा है।" यही नहीं, मोदी की चीन और रूस के नेताओं के साथ तस्वीरों को वाशिंगटन में रणनीतिक असहजता के रूप में देखा गया था। लेकिन अब वही ट्रंप खुद चीन की धरती पर शी जिनपिंग के साथ बैठकों में व्यस्त रहे। उनके साथ अमेरिका के सबसे बड़े उद्योगपति और तकनीकी कंपनियों के प्रमुख भी मौजूद रहे। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि यदि भारत का चीन से संवाद अमेरिका के लिए "भारत को खो देना" था, तो फिर ट्रंप की अपनी चीन यात्रा को क्या कहा जाए? क्या यह अमेरिकी यथार्थवाद है, आर्थिक मजबूरी है या फिर वैश्विक शक्ति संतुलन की नई स्वीकारोक्ति है?ट्रंप की इस यात्रा ने यह भी साफ कर दिया कि चीन को अलग थलग करने की अमेरिकी रणनीति अब पहले जैसी प्रभावी नहीं रह गई है।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको काम को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला होगा।

वृष राशि
आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। आज आपके पारिवारिक रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी। सभी लोग हंसी–खुशी रहेंगे।

मिथुन राशि–
आज आपका दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश करेंगे।

कर्क राशि–
आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा। आज बच्चे आपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे।

सिंह राशि–
आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आया है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है लेकिन आपके द्वारा किया गया काम आपके बॉस को इम्प्रेस करेगा।

कन्या राशि–
आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में आप कुछ बदलाव करेंगे, ये बदलाव आपके लिए फायदेमंद साबित होगा।

तुला राशि–
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। किसी भी काम को करते समय अपना मन शांत रखें। इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा।

वृश्चिक राशि–
आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। व्यापार में आज आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े–बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी।

धनु राशि–
आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा।

मकर राशि–
आज आपका दिन घूमने–फिरने में अधिक बीतेगा। परिवार वाले आज आपको अच्छी राय देंगे।

कुंभ राशि–
आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज वर्कप्लेस पर सीनियर्स और बॉस के द्वारा कुछ बताया जा रहा है

मीन राशि–
आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। कार्यस्थल पर अच्छे प्रदर्शन को दोहराने के लिए एकाग्रता बनाएं रखनी होगी। बिजनेसमैन के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है,।

मीरजापुर में आंधी-तूफान के कहर से 17 लोगों की मौत, कई घायल

मीरजापुर। यूपी के मीरजापुर जनपद में आंधी पानी ने जमकर तबाही मचाई है। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार के मुताबिक अब तक तेज आंधी तूफान के कारण 17 लोगों की जान चली गई है। वहीं शहर लेकर गांव तक की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। मीरजापुर जिले में आए चक्रवती तूफान, तेज आंधी और बारिश ने भारी तबाही मचाई। पेड़, दीवार, टीन शेड गिरने और आकाशीय बिजली से अलग–अलग थाना क्षेत्रों में 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं. मृतकों में पड़री थाना क्षेत्र में–5, अदलहाट–3, कछवां–2, चील्ह–1, लालगंज–1, संतनगर–1, ,कोतवाली देहात–1 बताएं गए हैं। पूरी रात जिले में बिजली आपूर्ति व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित रहीं है। छानबे विकास खंड क्षेत्र के गौरा परमानपुर मार्ग का पीपा पुल टूटने से 20 गांवों का आवागमन रुक गया है। कई इलाके में सड़क पर पेड़ गिरने से आवागमन तक बाधित हो गया है। जिले में बुधवार को देर शाम आंधी तूफान ने जमकर तबाही मचाई है आंधी पानी के कारण अलग–अलग थाना क्षेत्र में 11 लोगों की जान चली गई है. पड़री थाना क्षेत्र में चार की मौत हुई है. नदीगहना, सारी पोखरी गांव में आम के पेड़ गिरने से 9 साल के बच्चे अंशु मौर्य की मौत हुई है. छीतमपट्टी गांव में भी आम का पेड़ गिरने 17 वर्षीय किशोर अक्षय की मौत हुई है. मोहनपुर भवरख गांव में महुआ का पेड़ गिरने से महिला सरोज देवी की मौत हुई है.साथ ही महेवा में आम बिनने गए एक व्यक्ति बिहारी के भी मौत की खबर है. कछवां थाना क्षेत्र में भी दो की मौत हुई है. विदापुर की रहने वाली महिला बेईला देवी पर टिन का शेड गिरने से मौत हो गई है. हरदरा के पास स्कॉर्पियो गाड़ी पर पेड़ गिरने से राणा उर्फ बबलू की मौत हो गई है स्कार्पियो सवार दो गंभीर रूप से घायल है जिनको ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर किया गया है. चील्ह थाना क्षेत्र के गडगेड़ी गांव में आंधी तूफान से दीवार गिरने से 50 वर्षीय वृद्ध राम सागर जायसवाल की मौत हुई है. 'आंधी में उड़े टिन शेड से महिला का कटा गर्दन हुई मौत' वही लालगंज थाना क्षेत्र के कोलकम गांव में आंधी पानी के कारण टिन शेड उड़ने से नीलम महिला की गर्दन कटने से मौत हो गई है. पड़री थाना क्षेत्र में चार से बढ़कर हुई पांच लोगों की हुई मौतों को संख्या, लालता यादव 70 वर्ष, इसके साथ ही देहात कोतवाली क्षेत्र के कुरकुटिया पांडेय में चंद्रावती देवी नामक महिला की मौत की खबर है, इसी प्रकार अदलहाट थाना क्षेत्र में आकाशीय बिजली से मंगल प्रसाद की मौत हुई है।'पीपा पुल टूटने से बीस गांवों का सम्पर्क टूटा' जान जाने के साथ ही आंधी पानी ने गौरा–परमानपुर मार्ग बने गंगा नदी का पीपा पुल टूटने से 20 गांव का आवागमन हुआ ठप हो गया है. सिमराध नाथ को जोड़ने वाला यह संपर्क मार्ग है. गांव से लेकर शहर तक अभी तक लाइट आपूर्ति बाधित है. कई इलाके में सड़क पर पेड़ उखड़ कर गिर गए हैं जिससे आवागमन ठप है. विंध्याचल अटल चौक पर हाई मास्क लाइट गिर गई है गनीमत रहा की किसी को चोट नहीं आई. जिलाधिकारी और एसपी आवास के रोड पर पेड़ गिरने से घंटो आवागमन बाधित रहा. आंधी पानी से पूरे जनपद में जनजीवन प्रभावित हो गया है. मंडलीय अस्पताल के समीप पेड़ की डाल गिरने से जहां काफी देर तक आवागमन बाधित रहा है वहीं उधर से गुजर रहे एक राहगीर के घायल होने की खबर है। मड़िहान थाना क्षेत्र के ग्राम सभा बेदौली, गोपालपुर, कलवारी माफी व आसपास के इलाकों में आए तेज आंधी–तूफान ने भारी तबाही मचाई। कई जगह शादी–विवाह में लगे टेंट और सजावटी सामान तेज हवाओं में उड़कर टूट गए। ग्रामीणों के कच्चे मकानों व घरों को भी नुकसान पहुंचा है। अचानक आए तूफान से लोगों में अफरा–तफरी मच गई।

घायलों का हाल जानने जिला अस्पताल पहुचे एडीएम

फतेहपुर। बीते बुधवार शाम आए भीषण आंधी–तूफान के बाद जनपद में मची तबाही के बीच गुरुवार को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. अविनाश त्रिपाठी जिला अस्पताल पहुंचे और वहां भर्ती घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने एक–एक मरीज से मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा शासन की ओर से मिलने वाली अनुमन्य अहेतुक सहायता के बारे में भी जानकारी दी। एडीएम ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेश कुमार सिंह को निर्देश दिए कि सभी घायलों का प्राथमिकता के आधार पर समुचित उपचार कराया जाए और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी लगातार पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि बुधवार को अचानक आई तेज रतार आंधी और तूफान ने पूरे जिले में भारी तबाही मचा दी थी। कई स्थानों पर पेड़, दीवारें और छप्पर गिरने से नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज विभिन्न सरकारी अस्पतालों में जारी है। करीब आधे घंटे चली इस विनाशकारी आंधी ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। कहीं कच्चे मकान ढह गए तो कहीं पेड़ों के गिरने से लोग हादसे का शिकार हो गए। प्रशासन अब नुकसान का आंकलन कराने में जुटा है।

तेज आंधी और बिगड़े मौसम के बीच बुधवार रात हांफते दिखाई दिए स्वास्थ्य कर्मचारी

लालगंज, मीरजापुर। तेज आंधी और बिगड़े मौसम के बीच बुधवार रात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज में आपाधापी का माहौल बना रहा। एक ओर बीमार महिला को अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरी ओर सड़क हादसों में घायल लोग रातभर इलाज के लिए पहुंचते रहे। ड्रमंडगंज क्षेत्र के गलरिया गांव निवासी धनपत्ती देवी की देर रात अचानक हालत बिगड़ गई। परिजन श्यामजी पटेल उन्हें आनन–फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों में चीख–पुकार मच गई।उधर आंधी के दौरान क्षेत्र के अलग–अलग मार्गों पर हुए हादसों में कई लोग घायल हो गए। घायलों को 108 एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने रातभर उपचार किया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को घर भेज दिया गया। घायलों में मनिगढ़ा निवासी अर्चना, पुलियरी निवासी बबलू और प्रीति, संतनगर निवासी पूनम, मलुआ निवासी घनश्याम यादव, अर्जुनपुर निवासी अंकित मौर्य, तंगहा निवासी अर्जुन, कोलपुर निवासी दिनेश तथा कोराव निवासी आकाश शामिल रहे। सीएचसी में डॉ. कैलाश बिंद, चीफ फार्मासिस्ट एसएन सरोज, फार्मासिस्ट अवधेश द्विवेदी, वार्ड बॉय भोला गुप्ता व राजभर पूरी रात आपात सेवाओं में लगे रहे।

जनपदीय जाति प्रमाण पत्र सत्यापन समिति की बैठक सम्पन्न

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में जनपदीय जाति प्रमाण पत्र सत्यापन समिति की बैठक संपन्न हुई।बैठक के दौरान जनपद से संबंधित चार प्रकरणों की सुनवाई की गई। प्रत्येक प्रकरण में पक्ष एवं विपक्ष की बातों को गंभीरता से सुनने के उपरांत जिलाधिकारी ने संबंधित तहसीलदारों को निर्देशित किया कि जाति संबंधी विवादों का निस्तारण सामाजिक एवं प्रशासनिक प्रक्रिया के अंतर्गत किया जाए। उन्होंने कहा कि जाति प्रमाण पत्र हेतु प्राप्त आवेदनों एवं संबंधित प्रकरणों की तहसीलदार स्वयं गहन जांच करें तथा आवेदक के सामाजिक, पारिवारिक एवं वैवाहिक संबंधों को ध्यान में रखते हुए स्थलीय सत्यापन के उपरांत शासनादेशों में वर्णित व्यवस्था के अनुसार निस्तारण सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि यदि किसी व्यक्ति के जाति प्रमाण पत्र आवेदन को स्वीकृत अथवा निरस्त किया जाता है तो उसके संबंध में स्पष्ट एवं तथ्यात्मक कारण अंकित किए जाएं। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि निर्णय शासनादेशों में वर्णित प्रावधानों, स्थलीय जांच एवं सामाजिक परिस्थितियों के आधार पर ही लिया जाए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि जाति प्रमाण पत्रों से संबंधित मामलों में वादी अथवा प्रतिवादी द्वारा जनता दर्शन अथवा समाधान दिवस में शिकायत प्रस्तुत करना निर्धारित शासकीय प्रक्रिया नहीं है। उन्होंने जनमानस को जानकारी देते हुए बताया कि यदि किसी व्यक्ति का जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं हो रहा है अथवा किसी अन्य व्यक्ति के जाति प्रमाण पत्र पर आपत्ति है, तो शासन द्वारा निर्धारित प्रारूप पर जनपदीय जाति प्रमाण पत्र सत्यापन समिति के समक्ष अपील प्रस्तुत की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनपदीय समिति के निर्णय से असंतुष्ट होने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति मंडलायुक्त की अध्यक्षता में गठित मंडलीय जाति प्रमाण पत्र सत्यापन समिति के समक्ष अपील कर सकता है। मंडलीय समिति के निर्णय के विरुद्ध प्रमुख सचिव, समाज कल्याण की अध्यक्षता में गठित राज्य जाति प्रमाण पत्र सत्यापन समिति के समक्ष अपील की जा सकेगी। यदि कोई व्यक्ति राज्य समिति के निर्णय से भी संतुष्ट नहीं है, तो वह माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष अपील प्रस्तुत कर सकता है। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जाति प्रमाण पत्रों से संबंधित समस्त प्रकरणों का निस्तारण शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया एवं प्रावधानों के अनुरूप ही किया जाए।

सीएम डैशबोर्ड, ई-आफिस कार्य प्रगति एवं उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन की समीक्षा बैठक में विकास कार्यक्रमों मे खराब प्रदर्शन पर जताई गई नाराजगी

कुशीनगर, । जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में सी०एम० डैशबोर्ड विकास कार्यक्रमों के माह अप्रैल की मासिक समीक्षा बैठक, ई–ऑफिस कार्य प्रगति की समीक्षा बैठक तथा उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन की समीक्षा बैठक में कम रैंकिंग वाले विभागों पर नाराजगी जताते हुए सुधार लाने की हिदायत दी। बैठक के दौरान सीएम डैशबोर्ड पर कम रैंकिंग वाले विभागों की एक–एक कर गहन समीक्षा की गई। इनमें प्रमुख रूप से पीएम सूर्यघर योजना, आईसीडीएस, एनआरएलएम, जल जीवन मिशन, फैमिली आईडी, विभिन्न विभागों द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजनाएं, मुख्यमंत्री युवा कल्याण योजना, नई सड़कों का निर्माण सहित अन्य विभाग शामिल रहे। जिलाधिकारी ने प्रत्येक विभाग से अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्राप्त कर वास्तविक स्थिति की समीक्षा की। पीएम सूर्यघर योजना के अंतर्गत जनपद को प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष अत्यंत न्यूनतम प्रगति पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट एवं समयबद्ध निर्देश देते हुए कहा कि इस माह में शत प्रतिशत लाभार्थियों को योजना से आच्छादित करते हुए लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि योजना के प्रचार–प्रसार एवं लाभार्थियों की पहचान हेतु जिला पूर्ति अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी से समन्वय स्थापित कर विशेष अभियान चलाया जाए। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान जननी सुरक्षा योजना अंतर्गत लम्बित भुगतान के सम्बंध में शीघ्र भुगतान किए जाने का निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आईसीडीएस, एनआरएलएम एवं जल जीवन मिशन जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं सीधे तौर पर आमजन से जुड़ी हैं। इनमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने छात्रवृत्ति योजनाओं से संबंधित विभागों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि पात्र लाभार्थियों का चिन्हांकन कर समय से डाटा अपलोड सुनिश्चित किया जाए। नई सड़कों के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर विशेष जोर दिया तथा निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप शीघ्र पूर्ण कराए जाएं। मुख्यमंत्री युवा कल्याण योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने हेतु सक्रिय प्रयास करने के निर्देश दिए। ई–ऑफिस कार्य प्रगति की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों में ई–ऑफिस प्रणाली के उपयोग, पत्रावलियों के ऑनलाइन निस्तारण एवं लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सभी कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित किया कि शासन की मंशानुरूप अधिकतम कार्य ई–ऑफिस प्रणाली के माध्यम से संपादित किए जाएं तथा सभी अधिकारी गण लॉगिन अवश्य करें, तथा लंबित फाइलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। समीक्षा के दौरान हिरण्यवती नदी तथा बांसी नदी के सफाई कार्यों को वर्षात पूर्व पूर्ण कर लिये जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। जनपद में खाद की उपलब्धता एवं वितरण के सम्बंध में नियमानुसार वितरण की कार्यवाही किये जाने हेतु जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिए गए। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने विभागवार रोजगार सृजन की प्रगति, कौशल विकास प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार योजनाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक तीन महीने में कम से कम एक बार पिंक रोजगार मेले का आयोजन किया जाय। इसके अतिरिक्त अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार योजनाओं से जोड़ते हुए रोजगार सृजन के लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित की जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अधिकारी सीएम डैशबोर्ड पर जनपद की रैंकिंग में सुधार लाने हेतु गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए क्रियान्वयन में गति लाई जाए। लापरवाही, उदासीनता अथवा गलत रिपोर्टिंग किसी भी दशा में स्वीकार नहीं की जाएगी तथा आवश्यकतानुसार उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से जनगणना-2027 की स्व-गणना हेतु किया अपील

कुशीनगर,। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने जनपद के समस्त नागरिकों से अपील किया है कि भारत सरकार, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित जनगणना–2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के अंतर्गत संचालित स्व–गणना अभियान में बढ़–चढ़कर सहभागिता करें। उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश में स्व–गणना की प्रक्रिया 07 मई से 21 मई तक संचालित की जा रही है। इस अवधि में नागरिक स्वयं ऑनलाइन पोर्टल `म.बमदेने.हवअ.पद पर जाकर अपने परिवार एवं मकान संबंधी विवरण दर्ज कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि सही जानकारी, सही गणना और सही विकास के उद्देश्य से प्रत्येक नागरिक की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। जनगणना देश के विकास की मजबूत आधारशिला है तथा इसके माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी, आवास एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रभावी रूपरेखा तैयार की जाती है।घ स्व–गणना पोर्टल पर जानकारी भरने एवं सबमिट करने के उपरांत प्रत्येक परिवार को एक आईडी प्राप्त होगी। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध है कि उक्त आईडी को सुरक्षित रखें तथा गणनाकर्मी के भ्रमण के समय उपलब्ध कराएं। उन्होंने बताया कि इसके उपरांत घर–घर सर्वेक्षण (मकान सूचीकरण) कार्य आगामी 22 मई 2026 से 20 जून 2026 तक किया जाएगा। जिसमें प्रगणक द्वारा क्षेत्र के प्रत्येक मकान का विवरण सत्यापित करेंगे। जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 8(1) के अंतर्गत नागरिकों से परिवार एवं मकान संबंधी विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी ली जाएगी, जिनमें मुख्य रूप से– मकान संख्या एवं उपयोग, पेयजल, शौचालय एवं विद्युत व्यवस्था,रसोई ईंधन एवं घरेलू सुविधाएं, परिवार के सदस्यों का विवरण, शिक्षा एवं सामाजिक जानकारी, घरेलू उपकरणोंएवं वाहनों की उपलब्धता,परिवार द्वारा सर्वाधिक उपयोग किए जाने वाले मुख्य अनाज आदि से संबंधित जानकारी शामिल है।

जिला स्तरीय एण्टी भू-माफिया टास्क फोर्स ने धनन्जय उपाध्याय को घोषित किया भू-माफिया

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिलाधिकारी कुशीनगर की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय एण्टी भू–माफिया टास्क फोर्स की बैठक में उप जिलाधिकारी तमकुहीराज एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी तमकुहीराज की संयुक्त जाँच आख्या के आधार पर धन्नजय उपाध्याय निवासी मेहंदिया बुजुर्ग थाना पटहेरवा को भूमाफिया घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि धनन्जय उपाध्याय पुत्र रामायण उपाध्याय द्वारा बैनामे की भूमि एवं अन्य जमीनों को कथित रूप से मिलीभगत कर हड़पने हेतु जालसाजी एवं कूटरचना किये जाने संबंधी शिकायतें प्राप्त हुई थीं। उक्त शिकायतों के क्रम में उप जिलाधिकारी तमकुहीराज एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी तमकुहीराज द्वारा संयुक्त जाँच कर आख्या प्रस्तुत की गई थी। संयुक्त जाँच आख्या के अनुसार धनन्जय उपाध्याय के विरुद्ध विभिन्न आपराधिक अभियोग पंजीकृत पाए गए। जिनमें मारपीट, बलवा, घर में घुसकर हमला, धमकी एवं अन्य गंभीर धाराओं से संबंधित प्रकरण सम्मिलित हैं। इनमें थाना पटहेरवा पर पंजीकृत मु०अ०सं०–317ध्2018, मु०अ०सं०–67ध्2016, मु०अ०सं०–67/2024 तथा मु०अ०सं०–24/2023 प्रमुख रूप से शामिल हैं। जाँच आख्या में कहा गया है कि धनन्जय उपाध्याय के पिता स्व० रामायण उपाध्याय एवं माता श्रीमती ठागो देवी द्वारा वर्ष 1977 से वर्ष 2010 के मध्य लगभग 33 वर्षों की अवधि में विभिन्न व्यक्तियों के पक्ष में समय–समय पर भूमि का विधिवत बैनामा किया गया था। इसके उपरान्त वर्ष 2024 में धनन्जय उपाध्याय द्वारा कथित रूप से फर्जी इन्द्राज के आधार पर उक्त बैनामाशुदा भूमि पर दावा प्रस्तुत कर बैनामा धारकों को बेदखल करने का प्रयास किया गया है। साथ ही संयुक्त जाँच में यह भी उल्लेख किया गया कि अपने प्रयास में विफल रहने पर धनन्जय उपाध्याय द्वारा धारा 164/165 बी०एन०एस०–2023 के अन्तर्गत उप जिलाधिकारी तमकुहीराज न्यायालय में वाद योजित कर संबंधित बैनामा धारकों को भूमि सरकार द्वारा जब्त कराये जाने की धमकी देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता रहा।

सड़क से सदन तक होगा संघर्ष - ध्रुव त्रिपाठी शिक्षक विधायक

संघर्ष हेतु आप सभी लखनऊचलें - डा. मणिशंकर तिवारी, प्रांतीय अध्यक्ष।

कुशीनगर, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद जनपद कुशीनगर के तत्वावधान में हनुमान इंटरमीडिएट कॉलेज, पडरौना में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के उपरांत सेवानिवृत्त हुए प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं कर्मचारियों के सम्मान तथा नवनियुक्त प्रधानाचार्य साथियों के अभिनंदन का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांतीय संरक्षक डॉ. टी. पी. सिंह ने की। जबकि मुख्य वक्ता के रूप में प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. मणिशंकर तिवारी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के पूर्व महामंत्री डॉ. रविंद्र त्रिपाठी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।अपने उद्बोधन में शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि आज प्रदेश का तदर्थ प्रधानाचार्य स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। लंबे समय से प्रधानाचार्य पद का दायित्व निभाने के बावजूद सरकार उनके स्थायीकरण को लेकर गंभीर नहीं दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि अनेक प्रधानाचार्य सेवानिवृत्ति के कगार पर पहुंच चुके हैं, फिर भी सरकार की हठधर्मिता के कारण उनका स्थायीकरण नहीं हो पा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आवश्यकता पड़ने पर सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष किया जाएगा। प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. मणिशंकर तिवारी ने समस्त प्रधानाचार्यों का आह्वान करते हुए कहा कि जून माह में सभी लोग लखनऊ पहुंचें, वहीं से संघर्ष का शंखनाद होगा और प्रधानाचार्यों के स्थायीकरण का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रांतीय संरक्षक डॉ. टी.पी. सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद ने सदैव संघर्ष के बल पर उपलब्धियां प्राप्त की हैं और उन्हें पूर्ण विश्वास है कि सरकार अंततः प्रधानाचार्यों की पीड़ा को समझते हुए सकारात्मक निर्णय लेगी। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं भगवान हनुमान जी के चित्र पर पुष्पार्चन एवं माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। जिला अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र मोदी त्रिपाठी ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत करते हुए विभिन्न समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया तथा संघर्ष के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। स्वागताध्यक्ष प्रांतीय महामंत्री शैलेंद्र दत्त शुक्ल ने कहा कि जब–जब आवश्यकता पड़ी है, संघर्ष से ही सृजन का मार्ग निकला है। उन्होंने जनपद के समस्त प्रधानाचार्यों से संगठन के निर्देशानुसार आंदोलन एवं धरना–प्रदर्शन के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। पूर्व महामंत्री डॉ. रविंद्र त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि बोर्ड परीक्षाओं के बाद प्रधानाचार्यों को अंकेक्षक के रूप में लगाए जाने के विरुद्ध परिषद ने संघर्ष किया, जिसके परिणामस्वरूप शासन को निर्णय बदलना पड़ा। उन्होंने संगठन की एकजुटता को समय की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम के अंत में जनपद संरक्षक डॉ. गोरख राय ने आभार व्यक्त किया। विद्यालय के प्रबंधक मनोज शर्मा सारस्वत ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि प्रबंधक वर्ग भी उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और संघर्ष की हर परिस्थिति में सहयोग करेगा। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य अश्विनी कुमार पांडेय को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। वहीं नवनियुक्त प्रधानाचार्यों में सुनील कुमार मिश्रा, अनिल सिंह, विष्णु प्रसाद शिवम एवं कुलदीपक सिंह सहित इस वर्ष सेवानिवृत्त हुए लगभग 20 शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को जनपद कोषाध्यक्ष अशोक कुमार ने भी संबोधित किया।

सेन्ट्रल एकेडमी के छात्रों ने इण्टरमीडिएट परीक्षा में स्थापित किया सफलता का कीर्तिमान

बस्ती। केन्द्रीय माध्यमिक विद्यालय का नाम रोशन किया। 79.3 प्रतिशत अंक अर्जित उत्साहवर्धन किया जाएगा।सेन्ट्रल शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई.) द्वारा इंटरमीडिएट के घोषित परीक्षा परिणामों में सेन्ट्रल एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल का परीक्षा परिणाम शत–प्रतिशत रहा। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है।

विद्यालय के निदेशक जे. पी. तिवारी एवं प्रधानाचार्या श्रीमती दीपिका तिवारी ने बताया कि इंटरमीडिएट परीक्षा में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रियांशु चौधरी ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त नीतीश ने 92 प्रतिशत, अयान अजीज ने 92.3 प्रतिशत, शिवम राजदेव कन्नौजिया ने 86.8 प्रतिशत, रुद्रांश मिश्रा ने 86 प्रतिशत, आँचल त्रिपाठी ने 85 प्रतिशत, अभिषेक यादव ने 85.8 प्रतिशत, शिवांश गुप्ता ने 81 प्रतिशत, सुमन वर्मा ने 80.6 प्रतिशत, नितेश प्रजापति ने 79.8 प्रतिशत तथा संध्या यादव ने किए।इस अवसर पर निदेशक जे.पी. तिवारी ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम का श्रेय विद्यालय के समर्पित शिक्षकों, विद्यार्थियों की मेहनत तथा अभिभावकों के सहयोग को देते हुए कहा कि पिछले 25 वर्षों से सेन्ट्रल एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि उच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शीघ्र ही पुरस्कृत कर उनका एकेडमी के विद्यार्थियों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता का कीर्तिमान स्थापित किए हैं।इस अवसर पर मुख्य रूप से आबिद अरशद, प्रियंका त्रिपाठी, ए.के. मिश्र, रानी, श्रेया, द्विवेदी, अंजली, सुधा गौड़, शम्स परवेज, अंजली, रूचि, फिजा अकरम, फिजा युनूस आदि ने छात्रों को उनकी सफलता पर बधाई देते हुये सफल जीवन की कामना किया।

निरीक्षण में मिली स्टाक की भारी कमी, संचालक पर दर्ज होगा केस

बस्ती खाद की दुकानों के औचक निरीक्षण के दौरान वीनस उपभोक्ता सहकारी समिति लिमिटेड महादेवरी विकास खंड हर्रैया में उर्वरक वितरण में भारी अनियमितता मिली है। संचालक के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की संस्तुति की गई है। अब डीएम के आदेश पर संचालक के खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा। महादेवरी में किए गए आकस्मिक निरीक्षण में स्टाक में भारी अंतर मिला है। पोस मशीन के अनुसार प्रतिष्ठान में 549 बोरी यूरिया उपलब्ध होना चाहिए था, जबकि भौतिक सत्यापन में मौके पर केवल 226 बोरीही पाई गई। 323 बोरी यूरिया कम मिली है।निरीक्षण के समय स्टाक रजिस्टर ध बिक्री रजिस्टर उपलब्ध नहीं कराया गया। पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार, माह अप्रैल 2026 से 13 मई 2026 तक कुल 1337 बोरी यूरिया का वितरण दिखाया गया है, जो वर्तमान फसलों के आच्छादन को देखते हुए अत्यधिक और संदेहास्पद पाया गया है। जिला कृषि अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि यह कृत्य उर्वरक नियंत्रण आदेश–1985' की धारा–4 और शासनदेशों का स्पष्ट उल्लंघन है। स्टाक में पाया गया यह बड़ा अंतर सीधे तौर पर उर्वरक की कालाबाजारी को साबित करता है। दोषी सचिव राकेश कुमार शुक्ला और समिति के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम–1955 के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए डीएम से अनुमति मांगी गई है। जिला कृषि अधिकारी डा. बीआर मौर्य ने बताया कि किसान को यूरिया उनकी जोत बही के अनुसार ही दिया जाना है। आइएफएमएस पोर्टल पर पीओएस मशीन द्वारा विक्रय किए गए उर्वरक प्रतिष्ठानों की लगातार जांच और निगरानी की जा रही है। इस दौरान बंद पड़ी उर्वरक की दुकानों पर कार्रवाई की जाएगी। कप्तानगंज में हृदयनारायण चौधरी की खाद की दुकान बंद पाई गई। बंद रहने कारण बताओ नोटिस जारी की रही है। गौर कस्बे में प्रदीप फर्टिलाइजर की दुकान का स्टाक जांच में सही पाया गया है।

बाबा हरदेव सिंह की स्मृति में मनाया गया समर्पण दिवस

चित्रकूट। बाबा हरदेव सिंह की पावन स्मृति में बॉदा से आए महात्मा पुष्पेन्द्र की उपस्थित में समर्पण दिवस के अवसर पर संत निरंकारी सत्संग भवन में सत्संग आयोजित हुआ। सत्संग समाप्ति के बाद सभी भक्तों ने लंगर प्रसाद ग्रहण किया। इसी क्रम में संत निरंकारी मिशन बाबा हरदेव सिंह जी की स्मृति में संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल समालखा में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज वं निरंकारी राजपिता रमित जी के सानिध्य में संत समागम का आयोजन हुआ। इस आयोजन में लाखों श्रद्धालुओं ने सतगुरु के पावन दर्शन एवं अमृतमयी प्रवचनों को श्रवण कर आत्मिक शांति, आनंद एवं दिव्य प्रेरणा का अनुभव प्राप्त किया। इस अवसर पर महात्मा ने सतगुरु माता सुदीक्षा के संदेश को दोहराते हुये कहा कि बाबा हरदेव जी का सम्पूर्ण जीवन मानवता, सेवा और प्रेमा भक्ति का दिव्य उदाहरण रहा। उन्होंने प्रेरित किया कि मानव जीवन का प्रत्येक क्षण सार्थक बने और हर पल इंसानियत, करुणा एवं मानवीय मूल्यों का प्रमाण प्रस्तुत करे। बाबा जी ने सदैव यही शिक्षा दी कि प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर मानवीय गुण विकसित कर निराकार का आसरा लेते हुए सार्थक एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन जीयें। उन्होनें बताया कि यदि किसी के जीवन में दुख, पीड़ा या संघर्ष है, तो कर्तव्य उसे बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रेम, संवेदनशीलता और सहयोग से उसे शांत करना है। अंत में सतगुरु माता सुदीक्षा जी ने आशीर्वाद दिया कि प्रत्येक जीवन सेवा, सुमिरण और सत्संग को अपनी प्राथमिकता बनाएं।

आग से दुकान व घर-गृहस्थी राख

चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र के मवई कला गांव निवासी नत्थू साहू ने बताया कि उसके घर से ही सटी परचून की दुकान है। बुधवार की रात लगभग आठ बजे दुकान बंद कर वह परिजनों के साथ घर में खाना खाकर सोया था। देर रात लगभग दो बजे उसकी दुकान में आग लग गई। धुआं व आग की लपटों को देख वह परिजन के साथ चिल्लाते हुए बाहर निकला। ग्रामीणों ने पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना देकर आग बुझाने का प्रयास किया। फायर ब्रिगेड के पहुंचने पर सुबह लगभग पांच बजे आग पर काबू पाया जा सका। दुकानदार ने बताया कि आग उसके घर का कुछ हिस्सा भी जलकर राख हो गया। आग से लगभग पांच लाख का नुकसान हुआ। आरोप लगाया कि सूचना के एक घंटे बाद फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। पहले टीम आती तो कम नुकसान होता। आग से दुकान व पूरी सामग्री राख हो गई। इसके अलावा मानिकपुर के एलैहा बढैया गांव में बुधवार की रात लगभग आठ बजे किसान रामनरेश पयासी के घर में आग लग गई। आग लगने के दौरान उसके स्वजन बाहर भाग कर जान बचाई। आग की लपटें तेजी से बढ़ी और पड़ोस में उसके भाई ननकू पयासी के घर को अपनी चपेट में ले लिया।

बढ़ती विद्युत मांग को पूरा करेगा 85 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र

चित्रकूट। नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत अवाडा क्लीन एनर्जी प्रा.लि. द्वारा 85 मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जाएगा। यह परियोजना जनपद में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढावा देने के साथ–साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं निवेश के नए अवसर सृजित करेगी। परियोजना जनपद चित्रकूट की तहसील मानिकपुर, में ग्राम सकरौहा के अंतर्गत 44.617 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित की जानी प्रस्तावित है। उपजिलाधिकारी मानिकपुर द्वारा अवगत कराया गया है कि परियोजना के लिए प्रस्तावित भूमि में से लगभग 40.050 हेक्टेयर, अनुसूचित जाति के काश्तकारों की भूमि क्रय किया जाना प्रस्तावित है तथा 4.567 हेक्टेयर भूमि सामान्य एवं पिछडा वर्ग के काश्तकारों की भूमि क्रय किया जाना प्रस्तावित है। परियोजना में लगभग 250 करोड का निवेश प्रस्तावित है तथा निर्माण कार्य इसी वर्ष प्रारंभ होने की संभावना है। परियोजना के वर्ष 2027 तक संचालित होने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह सौर ऊर्जा परियोजना राज्य की हरित ऊर्जा नीति को मजबूती प्रदान करेगी तथा बढती विद्युत मांग की पूर्ति में सहायक सिद्ध होगी। साथ ही, स्थानीय युवाओं को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

ग्राम विकास,पंचायती राज योजनाओं, गौशालाओं व खाद्यान्न व्यवस्था की डीएम ने की समीक्षा

अयोध्या। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में ग्राम विकास एवं पंचायती राज विभाग की योजनाओं, गौशालाओं की समीक्षा, जिला स्वच्छता समिति तथा जिला आपूर्तिध्खाद्यान्न समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अनिरुद्ध प्रताप सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने ग्राम विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए। डिजिटल लाइब्रेरी में पुस्तकें, फर्नीचर आदि ,पंचायत उत्सव भवन, अंत्येष्टि स्थल , बहुद्देशीय पंचायत भवन की भी समीक्षा की गई। उक्त में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। गौशालाओं की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने गोवंशों के संरक्षण, चारा, पेयजल एवं साफ–सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौशालाओं के संचालन में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जाए। गोशालाओं के लिए नेपियर घास की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। गर्मी के मौसम में गोवंशों के लिए आवश्यक शेड,कुलर पंखे,पेयजल आदि व्यवस्थाए कराने के निर्देश दिए। कहा कि केयर टैंकरों की उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए। गोशालाओं में नर–मादा पृथक्करण की व्यवस्था कराई जाए। पशु चिकित्सक गोवंशों की नियमित जांच करें। यदि कोई दिक्कत है तो समय से अवगत कराए। जिला स्वच्छता समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने, कूड़ा निस्तारण एवं साफ–सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया जाए। डीपीआरओ को निर्देश दिया ग्राम पंचायतो का संचालन सुदृढ़ कराया जाए। पंचायत सहायकों को समय से मानदेय दिया जाए। मानदेय भुगतान लंबित ना रखा जाए।
जिला आपूर्ति एवं खाद्यान्न समिति की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्यान्न वितरण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों को समय से खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए तथा वितरण प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बनाए रखी जाए। शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। सभी बीडीओ को निर्देश दिया फैमिली आईडी के कार्य में प्रगति लाई जाए।

जिला शिक्षण एवं अनुश्रवण समिति व एमडीएम टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न'

अयोध्या। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला शिक्षण एवं अनुश्रवण समिति व एमडीएम टॉस्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारीकृष्ण कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अनिरुद्ध प्रताप सिंह एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी लालचंद सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत विद्यालयों में कराए जा रहे कार्यों एवं आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विद्यालयों में पेयजल, विद्युतीकरण, टाईलीकरण, फर्नीचर, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित कराई जाएं। जिलाधिकारी ने विद्यालयों में संचालित स्मार्ट क्लासों की गुणवत्ता की जानकारी एबीएसए से प्राप्त की तथा निर्देश दिए कि स्मार्ट क्लास के माध्यम से बच्चों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्धा कराई जाए। उन्होंने संपर्क टीवी प्रोग्राम एवं एस्ट्रोनॉमी लैब की प्रगति की भी समीक्षा की तथा नवाचार आधारित शिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने पर बल दिया। बैठक में पाठ्य पुस्तकों के वितरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी बच्चों को समय से पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम–2009 के अंतर्गत गैर सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों में बच्चों के नामांकन की समीक्षा करते हुए कहा कि दुर्बल एवं वंचित वर्ग के बच्चों को प्रवेश न देने वाले विद्यालयों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने मिड–डे मील योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने विद्यालयों में बच्चों के व्यक्तित्व विकास हेतु संवाद प्रतियोगिता आयोजित कराने तथा प्रतिदिन समाचार वाचन की गतिविधियां संचालित कराने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने–अपने क्षेत्रों के सबसे अच्छे एवं सबसे खराब विद्यालयों का चयन कर उसकी सूची अगली बैठक में प्रस्तुत करें, ताकि विद्यालयों की गुणवत्ता में सुधार हेतु आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

पीसीएफ का निरीक्षण कर गेंहू खरीद का डीएम ने लिया जायजा

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने पीसीएफ .षक सेवा केन्द्र खोह में स्थित गेहूँ कय केन्द्र का औचक निरीक्षण किया गया। इस मौके पर कय केन्द्र खुला पाया गया। जिला खाद्य विपणन अधिकारी एवं कय केन्द्र प्रभारी राज कुमार कुशवाहा मौके पर उपस्थित थे। केन्द्र पर अब तक 49 किसानों से 129.40 एमटी गेहूं की खरीद की गयी है। जिसमें से 41.2 एमटी गेहूँ की डिलेवरी भारतीय खाद्य निगम डिपों को कराया जा चुका है। शेष 882 कुन्तल गेहूँ कय केन्द्र पर अवशेष है। कय केन्द्र पर कुल 175 किसानों का टोकन लगाया गया है परन्तु किसानों को केन्द्र पर आने की तिथि अंकित नही है। निर्देशित किया गया कि सभी किसानों को अपना गेहूँ बिकी के लिए लाने की तिथि का अंकन करते हुए सम्बन्धित किसानो को सूचित भी करें। गेहूँ कय की अवधि 15 जून तक है। केन्द्र पर समस्त अवशेष 126 किसानों की तौल कराने हुए प्रतिदिन 3–4 किसानों को बुलाए तथा उनकी तौल सुनिश्चित करें। जनपद में 23 मई तक 2151 किसानों से 9322. 789 एमटी गेहूँ की खरीद की जा चुकी है। परिवहन ठेकेदार से सम्पर्क स्थापित करते हुए कय केन्द्र से नियमित रूप से गेहूँ का उठान कराना सुनिश्चित करें। जिससे कय केन्द्र पर गेहूँ भण्डारण की समस्या न उत्पन्न हो। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि यह भी सुनिश्चित करें कि केन्द्र पर लेबर द्वारा किसानों से उतराई, छनाई, सफाई के मद में किसी भी स्थिति में गेहूँ न लिया जाए। बल्कि शासन द्वारा निर्धारित 20 रूपये प्रति कुन्तल की दर से ही लिया जाए।

जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंचेगी बाइक एम्बुलेंस सेवा

–जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की सोंच को सीएमओ ने दी मूर्तरूप

चित्रकूट। बुंदेलखंड के आकांक्षी जनपद के ग्रामीण अंचलों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के सहयोग से स्वास्थ्य विभाग द्वारा जल्द ही सड़क विहीन गांवों में बाइक एम्बुलेंस का संचालन शुरू किया जाएगा। चित्रकूट के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी ने बताया कि चित्रकूट उत्तर प्रदेश का अत्यंत पिछड़ा जनपद है। जिले के मानिकपुर और बरगढ क्षेत्र के दर्जनों गांवों में संपर्क मार्गों का अभाव होने के कारण जरूरत पड़ने पर 108 और 102 एम्बुलेंस नहीं पहुंच पाती। जिसके कारण इलाज के अभाव में तमाम लोगों की असमय मौत हो जाती है। सीएमओ डॉ भूपेश द्विवेदी ने बताया कि इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने खनिज न्यास फंड से जिले के ऐसे अभाव ग्रस्त गांवों के बीच बाइक एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत करने की रणनीति तय की है। इस एम्बुलेंस सेवा के शुरू होने के बाद संपर्क मार्ग विहीन गांवों के मरीजों को बाइक एम्बुलेंस के माध्यम से गंभीर रूप से बीमार लोगों को इलाज के लिए समीपवर्ती सामुदायिक स्वास्थ्य में लाया जाएगा। जिससे समय रहते इलाज शुरु होने से मरीजों की जान बचाई जा सकेगी। सीएमओ डॉ भूपेश द्विवेदी ने बताया कि जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए यह योजना बनाई है। यह सेवा मानिकपुर और पाठा क्षेत्र के दुर्गम गांवों में शुरू होगी। इससे मरीजों को चिकित्सा सहायता के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ता है। सीएमओ डॉ भूपेश द्विवेदी ने बताया कि खनिज न्यास निधि से डीएम पुलकित गर्ग द्वारा 25.84 लाख रुपये प्रस्तावित किए गए हैं। इनमें बाइक एंबुलेंस और आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की खरीद होगी। बाइक एंबुलेंस एक फीडर एंबुलेंस के रूप में कार्य करेगी। यह मरीज को दुर्गम गांव से मुख्य सड़क तक लाएगी। मानिकपुर और पाठा के जंगली तथा पहाड़ी क्षेत्रों को वरीयता दी जाएगी।

चलती बाइक पर गिरा बिजली खंभा, युवक घायल

चित्रकूट। शहर के कलेक्ट्रेट मार्ग के .षि भवन के सामने सड़क किनारे बिजली का खंभा वहां से गुजर रहे सपा के विधायक की टीम के सदस्य प्रदोष पटेल पर गिरा। इससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे उठाकर जिला अस्पताल पहुंचाया। घायल ने आरोप लगाया कि सड़क पर कोई संकेताक व कोई कर्मचारी खड़ा भी नहीं था। इससे सभी राहगीर को खतरा है। घटना के बाद विभाग के किसी अधिकारी ने फोन भी नहीं उठाया। शहर के सदर रोड निवासी प्रदोष पटेल सपा विधायक अनिल प्रधान की प्रचार प्रसार व सोशल मीडिया टीम का सदस्य है। उसने बताया कि गुरुवार की दोपहर को वह बाइक से जिला अस्पताल की ओर जा रहा था। जैसे ही .षि भवन के सामने पहुंचा तो सड़क रहे कर्मचारियों की लापरवाही से खंभा सड़क पर गिरा। इस दौरान खंभे को आगे से पकड़ने वाला कोई नहीं था। खंभा उसकी बाइक पर गिरा इससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। उसके सिर व हाथ पैर में चोट आई। प्रदोष ने यह भी आरोप लगाया कि इस लापरवाही की जानकारी देने के लिए बिजली विभाग के अधिकारियों व इंजीनियरों को फोन किया लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया।

डकार रहे भत्ता व कर रहे प्राइवेट प्रैक्टिस, जिम्मेदार मौन

अयोध्या। शासन–प्रशासन के आदेशों को ठेंगा दिखाते हुए जिले के कई सरकारी चिकित्सक धड़ल्ले से प्राइवेट प्रैक्टिस कर रहे हैं। एक तरफ सरकार से नॉन प्रैक्टिस अलाउंस (एनपीए) ले रहे हैं तो दूसरी तरफ मरीजों की जेब पर डाका भी डाल रहे हैं। विश्वस्त सूत्रों की मानें तो यहां के बड़े से बड़े सरकारी अस्पताल हों या फिर गांव देहात के स्वास्थ्य केंद्रों में तैनात डॉक्टर। कोई भी इससे अछूता नहीं है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी करनी ही बंद कर दी है। कई वर्षों में किसी तरह का कोई अभियान नहीं चलाया गया, जबकि सीएम योगी आदित्यनाथ ने खुद सरकारी डॉक्टरों द्वारा प्राइवेट प्रैक्टिस किए जाने पर सख्त रुख अपनाया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि सरकारी सेवाओं में रहते हुए निजी प्रैक्टिस या नर्सिंग होम में सेवाएं देने वाले डॉक्टरों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी, लेकिन जिम्मेदारों ने सीएम के आदेशों को भी दर किनार कर दिया। जिले में जिला अस्पताल, श्रीराम चिकित्सालय, जिला महिला अस्पताल और 14 सीएचसी के अलावा राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज है। जहां बड़ी संख्या में चिकित्सकों की तैनाती हैं। इनमें अमूमन सभी चिकित्सक एनपीए ले रहे हैं। मेडिकल कॉलेज में तो शत प्रतिशत चिकित्सकों के एनपीए लेने की बात सामने आई है। गाहे–बगाहे शिकायतें भी सामने आती रहती हैं। हालांकि जिम्मेदारों ने चुप्पी साध रखी है। एक बार व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर चेकिंग करने की जरूरत है। सूत्रों की मानें तो जिले के सरकारी अस्पतालों के निकट चल रही मेडिकल दुकानों के संचालक चिकित्सकों के प्राइवेट प्रैक्टिस के सूत्रधार माने जाते हैं। सारी सेटिंग यही कराते हैं। कई अस्पतालों के चिकित्सक इन्हीं के यहां जाकर प्रैक्टिस करते हैं। ओपीडी टाइम में मेडिकल स्टोर से पर्चा उनके मोबाइल पर पहुंच जाता है। इसके बाद चिकित्सक मरीज को देखकर दोबारा अस्पताल की ओपीडी में पहुंच जाता है। कुछ सरकारी डॉक्टर तो बड़े–बड़े नर्सिंग होम में जाकर भी अपनी सेवाएं देते हैं। हाल ही में महिला की मौत के बाद इस बात की भी पुष्टि हो चुकी है।
प्राइवेट प्रैक्टिस करने के आरोपों में हाल ही में अब तक चार चिकित्सकों के नाम सामने आए हैं। इनमें तीन सीएचसी के डॉक्टर हैं, जबकि एक मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक शामिल हैं। इनका वीडियो भी वायरल हुआ था। स्वास्थ्य विभाग मवई और रुदौली सीएचसी में चिकित्सकों की शिकायत मिलने के बाद मौके से हटाकर संबद्ध की कार्रवाई कर चुका है, जबकि एक सीएचसी पर तो वहां की अधीक्षिका ने ही अपने यहां तैनात चिकित्सक पर प्राइवेट प्रैक्टिस करने का आरोप लगाते हुए शिकायत की थी। हालांकि मामले में अभी तक किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं हुई है। वहीं मेडिकल कॉलेज के एक वरिष्ठ चिकित्सक का नाम प्राइवेट प्रैक्टिस में आया तो उनका कद और भी बढ़ा दिया गया।
नॉन–प्रैक्टिस अलाउंस (एनपीए) केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा सरकारी डॉक्टरों और चिकित्सा अधिकारियों को दिया जाने वाला एक विशेष मासिक भत्ता है, जो निजी प्रैक्टिस न करने के बदले में मिलता है। यह मुख्य रूप से उन डॉक्टरों को दिया जाता है जिनकी डिग्री क्लिनिकल है और जो पूर्णकालिक सरकारी सेवा में हैं। उन्हें बेसिक और डीए का 10 फीसदी अतिरिक्त एनपीए के रूप में दिया जाता है।
प्रभारी सीएमओ डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव ने बताया कि एनपीए लेने वाले चिकित्सकों को पूरी तरह से प्राइवेट प्रैक्टिस न करने की मनाही है। शिकायतें आती हैं तो कार्रवाई की जाती है। इनके खिलाफ किसी तरह के अभियान चलाने की जानकारी सीएमओ ही दे सकते हैं। मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ. डीएस मर्तोलिया का कहना है कि हमारे यहां सभी चिकित्सकों से अंडरटेकिंग करा लिया गया है। एनपीए लेने वाले सभी चिकित्सकों ने लिखकर दिया है कि वह प्राइवेट प्रैक्टिस नहीं करेंगे।

भाजपाईयों ने विरोध प्रदर्शन कर दी चेतावनी

चित्रकूट। भारतीय जनता पार्टी ने कर्वी तहसील में समाजवादी पार्टी के महोबा हमीरपुर के सांसद राजेंद्र लोधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कथित अशोभनीय टिप्पणी को लेकर जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपाईयों ने सांसद से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर उग्र प्रदर्शन किया जाएगा।जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति ऐसी भाषा के उपयोग से पूरे प्रदेश के कार्यकर्ताओं में भारी रोष है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक सपा सांसद इस टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांगते भाजपा का यह विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। जिला महामंत्री अंजू वर्मा ने कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे किसी भी व्यक्ति को किसी अन्य संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए अभद्र टिप्पणी करना शोभा नहीं देता। उन्होंने सांसद से अपने अशोभनीय शब्दों के लिए माफी मांगने की मांग की। जिला उपाध्यक्ष आलोक पांडेय ने सपा सांसद अजेंद्र सिंह की टिप्पणी की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के लिए ऐसी अभद्र टिप्पणी अस्वीकार्य है। इस मौके पर जगदीश गौतम, दिनेश तिवारी, विपुल प्रताप सिंह, अश्विनी अवस्थी, अर्पित जायसवाल, राजेश रैकवार, राजेश्वरी द्विवेदी, श्रवण पटेल, संजय पांडेय, अंकित पांडेय, रवि गुप्ता, जवाहर सोनी, राजा मिश्रा, विकास मिश्रा, अखिलेश रैकवार, मनोज तिवारी, शुभम केशरवानी आदि मौजूद रहे।वाहन की टक्कर से युवक की मौतके पास सड़क दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है।
बताया गया कि कोतवाली कर्वी के नई दुनिया बनकट निवासी विजय कुमार (22) पुत्र गल्लू अपनी पत्नी चंद्रवती के साथ ऑटो से अपने चचेरे भाई की शादी में ओबरी गांव गए थे। ओबरी के पास ऑटो से उतर कर रोड किनारे पैदल ही चचेरे भाई के घर जा रहे थे। तभी उसे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी और मौके से भाग निकला। वाहन की टक्कर से विजय गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको परिजनों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। जहां से विजय को जिला अस्पताल और जिला अस्पताल से प्रयागराज रेफर किया गया। गुरुवार की सुबह विजय की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक का शव गांव पहुंचने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। पांच भाई में मृतक तीसरे नंबर का था। मजदूरी करता था।

सड़क हादसों में पांच लोग घायल

चित्रकूट। भरतकूप थाना के भैसौंधा गांव निवासी कमलेश कुमार (25) ने बताया कि वह अपने गांव के दोस्त बबली (22) और नाती (27) के साथ अतर्रा की ओर निमंत्रण पर गए थे। बुधवार की देर रात लगभग एक बजे वह बुलेरो से गांव की ओर लौट रहे थे। जैसे ही हाईवे के भांगा मोड के पास पहुंचे तो एक ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास किया। ट्रक का एक हिस्सा बुलेरो में छू जाने से सडक किनारे जाकर पलट गई। ट्रक लेकर चालक भाग निकला। राहगीरों की सूचना पर थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह मय फोर्स पहुंचे और बुलेरो से तीनों को किसी तरह बाहर निकालकर सीएचसी में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर तीनों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। इसके अलावा मानिकपुर थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी 25 वर्षीय हरीप्रसाद ने बताया कि वह बाइक से बुधवार की रात लगभग 11 बजे मारकुंडी से लौट रहा था। जैसे ही मानिकपुर मार्ग पर आया तो सामने से आई अन्य बाइक से टक्कर हो गई। इसमें दोनों बाइक सवार हरी के अलावा गडौली राजापुर निवासी 26 वर्षीय शत्रुघन व 24 वर्षीय चंदन घायल हो गए। तीनों घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। इसके बाद रात में ही इन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

आमजन स्वगणना में बढ़चढ़ कर करें भागीदारी : डीएम

चित्रकूट। भारत की जनगणना अपनी समृद्ध परंपरा के कारण विश्व की सर्वश्रेष्ठ जनगणनाओं में से एक मानी जाती है तथा यह विश्व के सबसे बड़े प्रशासनिक कार्यों में शामिल है। जनगणना भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के संघ सूची अनुच्छेद 246 में क्रम संख्या 69 पर अंकित है तथा जनगणना अधिनियम 1948 इसके संचालन का विधिक आधार प्रदान करता है।भारत में प्रथम जनगणना वर्ष 1872 में कराई गई थी जो देश के विभिन्न भागों में अलग–अलग समय पर संपन्न हुई। वर्ष 1881 में पहली बार संपूर्ण देश में एक साथ जनगणना कराई गई। इसके पश्चात 2011 तक प्रत्येक दस वर्ष में बिना किसी व्यवधान के जनगणना होती रही। भारतीय जनगणना जनसांख्यिकी आर्थिक गतिविधि, साक्षरता एवं शिक्षा, आवास एवं घरेलू सुविधाएं, शहरीकरण, प्रजनन, भाषा, धर्म, दिव्यांगता तथा अन्य अनेक सामाजिक, सांस्तिक एवं जनसांख्यिकी आंकड़ों का सबसे विश्वसनीय स्रोत है जिससे कि जनगणना से प्राप्त सूचनाएं देशवासियों के लाभ के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को बनाने के लिए आवश्यक आधारभूत स्तर की जानकारी प्रदान करती है। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर संसदध विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों, पंचायतों एवं अन्य स्थानीय निकायों की सीटों का परिसीमन किया जाता है। इस प्रकार, प्रगणक केवल जानकारी एकत्र नहीं कर रहे होते, बल्कि वे एक विशाल राष्ट्र निर्माण गतिविधि का अभिन्न अंग होते हैं। इस प्रकार 2027 में पहली बार स्वगणना पद्धति भी प्रारंभ की जा रही है। इसी क्रम में जिले भर में गत सात मई से जनगणना 2027 के लिए स्व –गणना कार्य क्रम चल रहा है। स्वगणना अभियान आगामी 21 मई तक चलेगा। इसके लिए जनपदवासी स्वयं भी जनगणना पोर्टल पर जाकर अपनी सूचनाएं दर्ज करा सकते हैं। डीएम पुलकित गर्ग ने आमजन को स्वगणना में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने की बात कही है।

विद्यालय में जागरुकता कार्यक्रम कर दी गई जानकारी

चित्रकूट। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश के मार्गदर्शन में पूर्व माध्यमिक विद्यालय गढीवा कर्वी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव इला चौधरी ने लैंगिक समानता एवं एसिड अटैक विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।सचिव विद्यालय में उपस्थित बालक–बालिकाओं को समझाते हुये बताया कि किसी भी समृद्ध और विकसित समाज की जडें बच्चों में ही निहित होती हैं। यदि बच्चों को उचित शिक्षा दीक्षा दी गयी तो वे आगे चलकर एक जागरूक नागरिक बन कर राष्ट्र को मजबूत दिशा में ले जाते हैं। उनके द्वारा यह भी बतया गया कि वर्तमान में बेटों तथा बेटियों में कोई अन्तर नहीं रखना चाहिये। वर्तमान युग में बेटियां हर क्षेत्र में बेटों से कंधे से कन्धा मिलाकर विकास की अग्रसर हैं। योगेन्द्र सिंह सहायक लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल द्वारा लैंगिक समानता के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुये बताया गया कि छात्रों को विधिक प्रावधानों के साथ–साथ अधिनियम का उलंघन करने पर सजा के प्रावधानों तथा भारतीय संविधान में वर्णित मूल अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी तथा लैंगिक असमानता को दूर करने के लिये बच्चों को जागरूक रहने के लिये प्रेरित किया गया। कुलदीप सिंह सहायक लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल द्वारा बताया गया कि एसिड अटैक एक जघन्य अपराध है, जो कि प्रायः महिलाओं के साथ होता है।

सूर्य कुमार के बाद कौन रवि शास्त्री ने बताया, संजू हैं टी 20 कप्तानी के प्रबल दावेदार

पूर्व कोच रवि शास्त्री ने टी20 विश्व कप के हीरो संजू सैमसन को भविष्य में भारतीय टीम का कप्तान बनाने का समर्थन किया है। शास्त्री के अनुसार, सैमसन ने अपनी परिपक्वता, आईपीएल कप्तानी के अनुभव और विश्व कप में निर्णायक प्रदर्शन के दम पर सूर्यकुमार यादव के बाद इस भूमिका के लिए मजबूत दावेदारी पेश की है। पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का कहना है कि भारत को टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले स्टार खिलाड़ी संजू सैमसन अगले दो–तीन साल में क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी के लिए एक मजबूत दावेदार होंगे। सूर्यकुमार यादव की अगुआई में भारतीय टीम ने दो महीने पहले घरेलू मैदान पर आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब जीता था जिसमें 31 वर्षीय सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया था।शास्त्री ने कहा कि जब 2028 में अगला टी20 विश्व कप आएगा तब तक भारत को शायद सूर्यकुमार की जगह लेने के लिए किसी को ढूंढना पड़ सकता है क्योंकि उस समय मौजूदा कप्तान 37 साल के हो चुके होंगे। 'द आईसीसी रिव्यू' के अनुसार शास्त्री ने कहा, ''जब 2028 में अगला टी20 विश्व कप खेला जाएगा, तब तक भारत शायद एक नए कप्तान की तलाश में हो सकता है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अगले कुछ साल में सूर्यकुमार का प्रदर्शन कैसा रहता है।'' भारत के इस पूर्व आल राउंडर ने कहा, ''लेकिन संजू सैमसन ने खुद को कप्तानी की भूमिका के लिए एक मजबूत दावेदार के तौर पर पेश किया है क्योंकि उन्होंने बीते समय में राजस्थान रॉयल्स के लिए यह भूमिका निभाई है।''सैमसन ने आईपीएल में पांच साल तक राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी की है जिसमें 2022 का सत्र भी शामिल है जिसमें टीम उपविजेता रही थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सैमसन अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में चल रहे हैं। 31 वर्षीय इस खिलाड़ी ने भारत के टी20 विश्व कप अभियान के दौरान लगातार तीन अध र्शतक जड़े थे। शास्त्री ने कहा, ''लेकिन इस सत्र में उसने जिस तरह का खेल दिखाया है, वह शानदार रहा हैं। विशेषकर टी20 विश्व कप में उन्होंने अकेले दम पर भारत को कई बड़े मैच क्वार्टर–फाइनल (वेस्टइंडीज, सुपर आठ), सेमीफाइनल और फाइनल जिताए। जिस तरह से उन्होंने जिम्मेदारी संभाली और जिस परिपक्वता का प्रदर्शन वह अब आईपीएल में कर रहे हैं, उसे देखते हुए मेरी नजर में वह भविष्य में कप्तानी के लिए एक बेहद मजबूत और स्पष्ट दावेदार हैं। ''शास्त्री ने यह भी कहा कि सैमसन की निरंतरता को लेकर उठने वाले सवाल अब अतीत की बात हो गए हैं।

छलका विराट कोहली का दर्द, बोले- काबिलियत साबित करनी पड़े तो वो जगह मेरे लिए नहीं

विराट कोहली ने अपने भविष्य पर स्पष्ट रुख अपनाते हुए कहा है कि वह अगले वनडे विश्व कप पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, लेकिन अगर किसी माहौल में उन्हें अपनी काबिलियत और अहमियत साबित करने पर मजबूर किया गया, तो वह उस जगह को छोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि वह तब तक खेलेंगे जब तक टीम को उनकी जरूरत है और उन पर पूरा भरोसा है।नयी दिल्ली, 15 मई विराट कोहली को अब भी क्रिकेट से इतना लगाव है कि वह अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप पर ध यान केंद्रित कर रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही भारत के इस स्टार बल्लेबाज ने स्पष्ट किया कि अगर किसी विशेष 'माहौल' में उनकी योग्यता पर लगातार सवाल उठाए जाते हैं, तो उन्हें यह स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होगी कि वह 'जगह' उनके लिए नहीं बनी है।इस 37 वर्षीय सुपरस्टार ने अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के पॉडकास्ट पर कहा कि उन्हें अपने महत्व को लेकर किए जा रहे आकलन में लगातार बदलाव से नफरत है। कोहली ने कहा, ''मैं हमेशा तैयार रहता हूं क्योंकि यही मेरी रोजमर्रा की जिंदगी है। मैं कसरत करता हूं, हम घर पर अच्छा खाना खाते हैं। मुझे इस तरह जीना पसंद है। यह केवल क्रिकेट खेलने तक सीमित नहीं है। मेरा कहने का मतलब है कि 2027 के विश्व कप को लेकर होने वाली बातें और बाकी सब। मुझे कई बार पूछा गया है कि क्या आप 2027 में खेलना चाहते हैं।''उन्होंने कहा, ''मुझे इसका जवाब पता है और अगर मैं खेल रहा हूं तो फिर मैं क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मैं खेलना जारी रखना चाहता हूं। भारत के लिए विश्व कप खेलना शानदार है।'' कोहली ने कहा, ''मेरा नजरिया बिल्कुल स्पष्ट है। मैं जिस माहौल का हिस्सा हूं उसमें कुछ योगदान दे सकता हूं और टीम को भी लगता है कि मैं योगदान दे सकता हूं तो मैं खेलता रहूंगा। अगर मुझे अपनी काबिलियत और अहमियत साबित करने की जरूरत महसूस कराई जाती है तो मैं उस माहौल में नहीं रह सकता।''कोहली 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय और 2025 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अब केवल वनडे में खेलते हैं। पिछले कुछ वर्षों से बहुत कम वनडे मैच खेले जा रहे हैं जिससे कोहली कम अवसरों पर ही भारत का प्रतिनिधित्व कर पा रहे हैं। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कोहली और एक अन्य स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा के टीम का हिस्सा बनने की उनकी इच्छा के बावजूद उनके भविष्य को लेकर कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की है। कोहली ने कहा कि जब तक टीम को उनकी जरूरत होगी, वह टीम के साथ बने रहेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं अपनी तैयारियों के प्रति ईमानदार हूं, मैं खेल के प्रति अपने दृष्टिकोण के प्रति ईमानदार हूं। मैं पूरी लगन से मेहनत करता हूं। जब मैं खेलने के लिए जाता हूं तो मैं दूसरों से कम नहीं बल्कि उनसे भी ज्यादा मेहनत करता हूं और सही तरीके से खेलता हूं।''कोहली ने खेल के प्रति अपने दृष्टिकोण के बारे में कहा कि वह हमेशा कड़ी मेहनत के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं इसी तरह से तैयारी करता हूं। मैं 50 ओवर तक फील्डिंग करने के लिए तैयार हूं। इस तरह से खेलने के बाद भी अगर मुझे अपनी काबिलियत और अहमियत साबित करनी पड़े, तो वह जगह मेरे लिए नहीं है।'' कोहली ने 2025–26 सत्र के दौरान दो दशकों के बाद विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने का उदाहरण दिया। उन्होंने दिल्ली के लिए दो मैच खेले और उनमें से एक में शतक लगाने के साथ–साथ लिस्ट ए में सबसे कम पारियों में 16,000 रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बने। उन्होंने कहा, ''मैं तब स्पष्ट सोच के साथ वहां गया था कि मुझे वहां किसी को कुछ साबित नहीं करना है। मैं वहां खेलने गया क्योंकि मुझे खेल खेलना पसंद है।'' कोहली ने कहा, ''मैं इसलिए खेलना चाहता हूं क्योंकि मुझे खेल से प्यार है। मुझे बल्लेबाजी करने में बहुत मजा आने लगा। मुझे फिर से एक बच्चे जैसा महसूस हुआ। मुझे लगा कि यह किसी और को लेकर नहीं बल्कि यह केवल मेरे और खेल के बारे में है।'' सर्वकालिक महान वनडे बल्लेबाजों में गिने जाने वाले कोहली ने इस प्रारूप में 311 मैचों में 58.71 के औसत से 14,797 रन बनाए हैं। उन्होंने अपने वनडे करियर में 54 शतक और 77 अध र्शतक जड़े हैंऔर दबाव में शानदार प्रदर्शन करने की क्षमता के कारण उन्हें 'चेज मास्टर' (लक्ष्य का पीछा करने में माहिर) का उपनाम मिला है। कोहली ने कहा कि उन्हें खेलने में आनंद आता है, लेकिन ऐसे माहौल में नहीं जहां चयन के बाद सवाल उठाए जाते हैं। उन्होंने कहा, ''जिस क्षण मुझे लगता है कि लोग मेरे लिए मामले को जटिल बनाने की कोशिश कर रहे हैं तथा 'यह और वह' जैसी बातें कर रहे हैं, तो या तो वे स्पष्ट, ईमानदार और खुलकर बात करें या चुप रहें और मुझे अपना काम करने दें।''

आईपीएल 2026 का डिजटिल पर जलवा, व्यूअरशिप ने तोड़े रिकार्ड, टीवी को मिल रही कड़ी टक्कर!

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की डिजिटल दर्शक संख्या में 7: की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जबकि टीवी पर दर्शक 500 मिलियन के आंकड़े के करीब हैं। जियोस्टार के अनुसार, कनेक्टेड टीवी (ब्ज्ट) और क्षेत्रीय भाषाओं में प्रसारण की बढ़ती मांग ने कुल डिजिटल पहुंच को 15: तक बढ़ाया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इसके दर्शकों की संख्या में सात प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जबकि टीवी पर दर्शकों की संख्या 500 मिलियन के आंकड़े को छूने के करीब है। इस टूर्नामेंट के आधकारिक प्रसारणकर्ता जियोस्टार के अनुसार आईपीएल की कुल डिजिटल पहुंच में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।यह आंकड़ा लीनियर टीवी पर प्रसारित 51 मैचों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित 57 मैचों का है। कंपनी ने दावा किया, ''सीटीवी (कनेक्टेड टीवी यानि इंटरनेट से जुड़े उपकरण) की पहुंच में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और 'वाच टाइम' (देखने का समय) 20 प्रतिशत बढ़ गया है। क्षेत्रीय भाषाओं में 'वाच टाइम' में 42 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।'' प्रसारक ने दावा किया कि पिछले सत्र की तुलना में 125 नए विज्ञापनदाताओं के जुड़ने से [illegible] हुई है।

क्या रिकू सिंह का बल्ला चलेगा या शुभम गील की कप्तानी पड़ेगी भारी?

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना गुजरात टाइटंस से होगा, जहां केकेआर के लिए प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रखने के लिए यह श्करो या मरोश का मुकाबला है, वहीं गुजरात की टीम शीर्ष दो में जगह पक्की करने के इरादे से उतरेगी।

लगभग एक महीने के बाद अपने घरेलू मैदान पर वापसी करने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम अपनी उम्मीद जीवंत रखने के लिए शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में शीर्ष दो में जगह बनाने की कवायद में लगी गुजरात टाइटंस का सामना करेगी। अनुभवी अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर ने पिछले साल की तरह इस वर्ष भी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है जिससे उन्हें फिर से कप्तान नियुक्त करने के फैसले पर सवाल उठने लग गए हैं। केकेआर को मौजूदा सत्र में अपनी पहली जीत के लिए सातवें मैच (आधे चरण) तक इंतजार करना पड़ा था। वह इस दौरान एक संतुलित टीम संयोजन तैयार करने में नाकाम रहा।केकेआर ने इसके बाद लगातार चार मैच जीते लेकिन पिछले मैच में विराट कोहली के शानदार शतक के कारण उसे रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार का सामना करना पड़ा था। केकेआर के अब तीन मैच बचे हैं और अगर वह सभी मैच जीत जाता है तो अधिकतम 15 अंक तक पहुंच पाएगा। इसके बावजूद उसकी प्लेऑफ में जगह पक्की नहीं हो पाएगी और इसके लिए उसे अगर मगर के समीकरणों से गुजरना होगा। एक और हार से उसकी आगे बढ़ने की संभावना खत्म हो जाएगी। केकेआर की लगातार चार मैचों में जीत का श्रेय काफी हद तक सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती की स्पिन जोड़ी को जाता है जबकि उपकप्तान रिंकू सिंह ने भी निरंतर योगदान दिया है। चक्रवर्ती बाएं पैर में

चोट लगने के कारण आरसीबी के खिलाफ नहीं खेल पाए थे जो टीम को महंगा पड़ा। केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने उनकी वापसी के संकेत दिए हैं जो टीम के लिए अच्छी खबर है। केकेआर की बल्लेबाजी में पूरे सत्र में निरंतरता का अभाव रहा है। उसके बल्लेबाजी क्रम को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भी रिंकू को निचले क्रम में बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर सवाल उठाए थे। युवा खिलाड़ी अंगकृष रघुवंशी 139.44 के स्ट्राइक रेट से चार अर्धशतकों सहित 340 रन बनाकर केकेआर के कुछ सफल खिलाड़ियों में से एक रहे हैं, जबकि रिंकू ने दो अर्धशतकों के साथ 148.95 के स्ट्राइक रेट से 286 रन बनाए हैं। केकेआर के शेष घरेलू मैचों में गुजरात टाइटंस, मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इन दोनों खिलाड़ियों की भूमिका अहम होगी। इसके विपरीत शुभमन गिल की अगुवाई वाली गुजरात टाइटंस का इस सत्र में अब तक बहुत अच्छा प्रदर्शन रहा है। उसके शीर्ष पर काबिज आरसीबी के समान 16 अंक हैं लेकिन नेट रन रेट के कारण वह दूसरे स्थान पर है।गुजरात के इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय काफी हद तक उसके गेंदबाजों को जाता है। उसकी तरफ से कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और जेसन होल्डर ने तेज गेंदबाजी विभाग अच्छी तरह से संभाला है जबकि स्टार स्पिनर राशिद खान ने मानो अपना पुराना जादू फिर से हासिल कर लिया है। बल्लेबाजी में उसके शीर्ष क्रम में गिल और साई सुदर्शन ने शानदार प्रदर्शन किया है। पिछले साल टूर्नामेंट में सर्वाधिक 759 रन बनाने वाले सुदर्शन इस बार भी अभी तक 501 रन बना चुके हैं। वह अभी तक सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर काबिज हेनरिक क्लासेन से सिर्फ सात रन पीछे हैं। उन्होंने अपनी पिछली छह पारियों में पांच अर्धशतक लगाए हैं, जिनमें एक शतक भी शामिल है। गिल भी बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रहे हैं, वहीं वाशिंगटन सुंदर ने मध्य क्रम में अच्छी भूमिका निभाई है। गुजरात को अगर शीर्ष दो में जगह बनानी है तो उसके इन प्रमुख खिलाड़ियों को अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखना होगा।टीम इस प्रकार हैंरू कोलकाता नाइट राइडसरू अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, राहुल त्रिपाठी, फिन एलन, तेजस्वी सिंह, टिम सीफर्ट, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, कैमरन ग्रीन, सार्थक रंजन, दक्ष कामरा, रचिन रवींद्र, नवदीप सैनी, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, मथीशा पथिराना, कार्तिक त्यागी, आकाश दीप, वरुण चक्रवर्ती, प्रशांत सोलंकी। गुजरात टाइटंसरू शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, अरशद खान, अशोक शर्मा, जोस बटलर, कॉनर एस्टरहुइजन, गुरनूर बरार, जेसन होल्डर, कुलवंत खेजरोलिया, कुमार कुशाग्र, मोहम्मद सिराज, ग्लेन फिलिप्स, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, राशिद खान, साई किशोर, साई सुदर्शन, शाहरुख खान, इशांत शर्मा, निशांत सिंधु, मानव सुथार, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन सुंदर, ल्यूक वुड, जयन्त यादव। मैच शुरू होने का समयरू भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे।

आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन कर रहे भुवनेश्वर कुमार की गेंदबाजी से विराट कोहली बेहद प्रभावित

आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन कर रहे भुवनेश्वर कुमार की गेंदबाजी से विराट कोहली बेहद प्रभावित हैं, उन्होंने भुवी के उस रवैये की तारीफ की है जहाँ वह बल्लेबाजों को अपनी सटीक लेंथ से चुनौती देते हैं। कोहली ने भुवनेश्वर की तकनीकी क्षमता और निरंतरता को उनकी सफलता का मुख्य कारण बताया है। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने मौजूदा आईपीएल 2026 में अपनी लय वापस पा ली है। उन्होंने इस सीजन में अब तक 22 विकेट लिए हैं और इस पैसे वाली लीग में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। इसके बाद, कई विशेषज्ञों ने राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी की वकालत की है, जो मुश्किल लग रहा है क्योंकि भुवनेश्वर पहले ही 36 साल के हो चुके हैं और भारत की टी20ु टीम काफी युवा है और भविष्य के लिए तैयारी कर रही है।हालांकि, भुवनेश्वर को स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का समर्थन प्राप्त है। पूर्व कप्तान ने कहा कि तकनीकी क्षमता वाले खिलाड़ी हमेशा कोई न कोई रास्ता ढूंढ लेते हैं और यह अक्सर उन्हें मुश्किल दौर से बाहर निकालता है। कोलही ने मयंती लंगर के साथ आरसीबी के पॉडकास्ट में कहा कि जब आपके पास तकनीकी क्षमता होती है, तो आप हमेशा तालमेल बिठा सकते हैं और खासकर जब आप मुश्किल दौर से गुजर रहे हों, तो तकनीकी आधार वाले खिलाड़ियों के लिए रन बनाने या विकेट लेने का रास्ता ढूंढना आसान होता है।आगे बताते हुए कोहली ने कहा कि टेस्ट मैच में सही लेंथ पर गेंदबाजी करना कभी आसान काम नहीं होता, लेकिन भुवनेश्वर ने इसमें महारत हासिल कर ली है और इसका नतीजा सबके सामने है। उनका मानना ध्ध्है कि भुवनेश्वर पूरे आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजों को चुनौती दे रहे हैं और उन्होंने एक खिलाड़ी को निखारने में कड़ी मेहनत और निरंतरता की अहम भूमिका पर जोर दिया। कोहली ने कहा कि भुवी क्या कर रहे हैं? वो सिर्फ आसान इनस्विंगर या आउटस्विंगर नहीं फेंक रहे हैं। वो ऐसी लेंथ पर गेंदबाजी कर रहे हैं जिससे बल्लेबाजों को लग रहा है कि मैं हर बार इस लेंथ पर गेंद डालने में सक्षम हूं। यह सबसे मुश्किल लेंथ है और मैं बस इसी लेंथ पर गेंद डालता रहूंगा। क्या आप मुझ पर हावी होने के लिए काफी सक्षम हैं? यह बहुत आसान

एमआई से हार के बाद निराश दिखे श्रेयस अय्यर, बोले- नॉकआउट के लिए अब दोनों मैच जीतने होंगे

मुंबई इंडियन्स के खिलाफ लगातार पांचवीं हार के बाद पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने प्लेऑफ की राह को मुश्किल बताया, साथ ही स्वीकार किया कि नॉकआउट में जगह पक्की करने के लिए टीम को अपने अंतिम दोनों श्करो या मरोश वाले मैच जीतने होंगे।पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने इंडियर प्रीमियर लीग में बृहस्पतिवार को यहां मुंबई इंडियन्स के खिलाफ छह विकेट की हार के साथ लगातार पांचवीं शिकस्त झेलने के बाद स्वीकार किया कि उन्हें नॉकआउट में जगह सुनिश्चित करने के लिए अब करो या मरो के अंतिम दोनों मैच जीतने होंगे। पंजाब की टीम सात मैच के बाद अजेय थी और शीर्ष पर चल रही थी लेकिन लगातार पांचवीं हार के बाद 12 मैच में 13 अंक के साथ चौथे स्थान पर है।पंजाब के 201 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी मुंबई की टीम ने तिलक वर्मा (75 रन, 33 गेंद, छह चौके, छह छक्के) के तेजतर्रार अर्धशतक और विल जैक्स (10 गेंद में नाबाद 25, दो चौके, दो छक्के) के साथ उनकी पांचवें विकेट की 20 गेंद में 56 रन की अटूट साझेदारी से 19.5 ओवर में चार विकेट पर 205 रन बनाकर जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन (48) ने भी उम्दा पारी खेली। तिलक ने शेरफेन रदरफोर्ड (20) के साथ भी चौथे विकेट के लिए 61 रन जोड़े।अय्यर ने मैच के बाद कहा, ''यह हार पचाना मुश्किल है। मैं किसी एक खास स्थिति पर अंगुली नहीं उठाना चाहता। यह क्रिकेट का एक शानदार मैच था। उसने (तिलक ने) जबरदस्त पारी खेली

और क्षेत्ररक्षण के हिसाब से खेला इसलिए इसका श्रेय उसी को जाता है।'' पंजाब के कप्तान अय्यर ने अजमुल्लाह उमरजई की सराहना की जिन्होंने डेथ ओवरों में 17 गेंद में दो चौकों और चार छक्कों से 38 रन की पारी खेलकर टीम का स्कोर आठ विकेट पर 200 रन तक पहुंचाया। अय्यर ने कहा, ''एक समय ऐसा लग रहा था कि हम 170–180 रन बना पाएंगे लेकिन उसने पूरी तरह से मैच का रुख हमारी तरफ मोड़ दिया। 200 रन तक पहुंचना एक काबिले तारीफ प्रदर्शन था।'' अय्यर ने कहा कि उन्हें दोनों मैच जीतकर नॉटआउट मेंअपनी जगह पक्की करनी होगी।

क्या अब भी प्लेऑफ में पहुंच सकती है सीएसके?

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा जिससे प्लेऑफ में पहुंचने की उसकी उम्मीदों को झटका लगा है। सीएसके इस मैच से पहले अच्छी स्थिति में दिख रही थी, लेकिन एक हार से अब समीकरण बदल गए हैं और उसके लिए आगे की राह कठिन हो चली है। सीएसके को अंक तालिका में भी नुकसान हुआ है और वह एक पायदान खिसक कर पांचवें से छठे नंबर पर आ गई है। अब सवाल यह उठता है कि क्या चेन्नई की टीम अब भी प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर सकती है?

प्लेऑफ का समीकरण जानने से पहले यह देखना जरूरी है कि फिलहाल आईपीएल की अंक तालिका में कौन किस स्थान पर मौजूद है।

सीएसके अंक तालिका में अब पांचवें से छठे नंबर पर आ गई है। टीम के कुल 12 अंक हैं।

वहीं, सीएसके की हार से राजस्थान रॉयल्स को फायदा पहुंचा है। राजस्थान अंक तालिका में अब पांचवें नंबर पर पहुंच गई है।

12 मुकाबलों में 16 अंक के साथ रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु टॉप पर बनी हुई है।

गुजरात टाइटंस भी 16 अंक लेकर अंक तालिका में दूसरे नंबर पर काबिज है।

सनराइजर्स हैदराबाद 12 मुकाबलों में 14 अंक के साथ तीसरे नंबर पर मौजूद है। वहीं, पंजाब किंग्स इतने ही मुकाबलों में 13 अंक लेकर चौथे नंबर पर है।

दिल्ली कैपिटल्स 11 मुकाबलों में नौ अंकों के साथ सातवें, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स आठवें पायदान पर है।

मुंबई और लखनऊ पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हैं और ये दोनों टीमें क्रमशरू नौवें और 10वें स्थान पर हैं।

लखनऊ ने सीएसके के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं क्योंकि पांच बार की चौंपियन इस टीम के लिए अब आगे की राह कठिन है। ग्रुप चरण में सीएसके के अब दो मैच शेष हैं और उसका सामना गुजरात और सनराइजर्स हैदराबाद से है। ये दोनों ही टीमें प्लेऑफ की मजबूत दावेदार हैं। सामान्य स्थिति में सीएसके को ये दोनों मैच जीतने होंगे जिससे वह दौड़ में बनी रह सके। अगर चेन्नई अपने दोनों मैच जीत जाती है तो उसके 16 अंक होंगे। लेकिन इसके बाद भी उसे दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। गुजरात प्लेऑफ में जाने के करीब है और अगर वह अगले दो मैच जीत जाती है तो उसके 20 अंक हो जाएंगे।

सनराइजर्स हैदराबाद भी अधिकतम 18 अंक तक पहुंच सकती है।

ऐसे में चेन्नई के सामने सबसे करीब प्रतिद्वंद्वी राजस्थान रॉयल्स है जिसके 11 मैचों में 12 अंक हैं।

राजस्थान को अब दिल्ली, लखनऊ और मुंबई से खेलना है। अगर राजस्थान ये सभी मैच जीत जाती है तो सीएसके के दरवाजे बंद हो जाएंगे।

दूसरी ओर, पंजाब किंग्स भी दौड़ में आगे है और उसे अब आरसीबी तथा लखनऊ से खेलना है।

अगर पंजाब अब एक भी मैच हारी तो उसके लिए आगे की राह कठिन हो जाएगी, ऐसे में सीएसके को फायदा हो सकता है।

सरल भाषा में जानें तो मौजूदा स्थिति में आरसीबी और गुजरात ही ऐसी टीमें है जो लगभग अगले दौर में जगह बना चुके हैं।

केजीएफ के मेकर्स होम्बले फिल्म्स का बड़ा कदम, पेड्डी के साथ पहली बार ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूशन में की एंट्री

बिग प्रोडक्शन हाउस में से एक होम्बले फिल्म्स ने हाल ही में अपने ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूशन स्पेस में विस्तार की घोषणा की थी और अब पेड्डी इस प्रतिष्ठित बैनर का पहला इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन प्रोजेक्ट बन गया है, जिसमें मेगा पावरस्टार राम चरण लीड रोल में हैं.केजीएफ, कांतारा और सालार जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के साथ भारतीय सिनेमा के पैमाने को नया रूप देने के बाद होम्बले फिल्म्स ने अब इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन की दिशा में बड़ा कदम उठाया है और 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित पैन–इंडिया फिल्मों में से एक पेड्डी के साथ इसकी शुरुआत की है.

सालों से होम्बले फिल्म्स ऐसी फिल्मों के लिए जाना जाता है जो मजबूत कहानी और बड़े थिएट्रिकल अपील का शानदार मेल होती हैं. उनकी फिल्मों ने भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से आगे बढ़कर भारत के साथ–साथ ग्लोबल ऑडियंस में भी अपनी खास पहचान बनाई है.पेड्डी के साथ होम्बले फिल्म्स अब अपने इंटरनेशनल नेटवर्क को और इसके दमदार एक्शन बैकड्रॉप,

मजबूत कर रहा है और यह बैनर का पहला ऑफिशियल ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूशन अधिग्रहण माना जा रहा है। इस कदम को फिल्म की वर्ल्डवाइड रिलीज के लिए बड़ा सपोर्ट माना जा रहा है.बुची बाबू साना के निर्देशन में बनी पेड्डी को शानदार विजुअल्स और राम चरण के इंटेंस ट्रांसफॉर्मेशन के लिए जबरदस्त चर्चा मिल रही है. वहीं इस प्रोजेक्ट को और खास बनाता है ए. आर. रहमान का म्यूजिक, जो फिल्म को एक अलग लेवल पर ले जाता है.होम्बले फिल्म्स के साथ पेड्डी की यह साझेदारी ट्रेड और फैन सर्कल्स में एक्साइटमेंट को और बढ़ा रही है, और उम्मीद की जा रही है कि फिल्म को बड़े पैमाने पर इंटरनेशनल रिलीज मिलेगी. पेड्डी 4 जून को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी. 2025 में रिलीज हुई फिल्मों में होम्बले फिल्म्स ने कांतारारू चौप्टर 1 जैसी बड़ी हिट दी, जो साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में शामिल रही, और महावतार नरसिम्हा को भी प्रेजेंट किया. इन दोनों फिल्मों को ऑस्कर के जनरल एंट्री लिस्ट में जगह मिली, जिससे ये दुनिया की लगभग 200 फिल्मों में शामिल हो गईं जो अलग–अलग कैटेगरीज में नॉमिनेशन के लिए एलिजिबल हैं.प्रोडक्शन हाउस के पास आने वाले समय में भी कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें सालार 2, ऋतिक रोशन के साथ फिल्म, केजीएफ 3 और कई अन्य बड़े प्रोजेक्ट्स शामिल हैं.

जैकी श्राफ की फिल्म द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो का ट्रेलर जारी, 29 मई को होगी रिलीज

जैकी श्रॉफ की फिल्म द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरोरू एलियंस का आगमन का ऐलान फरवरी, 2026 में किया गया था। निर्माताओं ने इसका ट्रेलर रिलीज कर दिया है। फिल्म का निर्देशन मनीष सैनी ने किया है, जबकि निर्माण जी स्टूडियोज और अहमदाबाद फिल्म्स के बैनर तले हुआ है। इसकी कहानी दादा और पोते के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसमें बच्चों की कल्पना और रोमांचक तत्व भी मौजूद हैं। फिल्म बच्चों का मनोरंजन करने का पूरा वादा करती है।ट्रेलर की शुरुआत जैकी के वॉयसओवर से होती है जो कहते हैं, मां कहती थीं, जब मौका मिले तो पीछे नहीं हटना। यहीं से पोते की कल्पनाओं की दुनिया जन्म लेती है, जो अपने दोस्तों को बताता है कि उसके दादाजी एक एलियन हैं। पोते की कल्पनाओं पर खरा उतरने के लिए जैकी भी झूठ के पुलिंदे बांधते हुए नजर आते हैं। फिल्म 29 मई को रिलीज होगी। इसमें प्रतीक बब्बर, दुर्गेश कुमार, भाग्यश्री और रघुवीर यादव जैसे सितारे हैं।जैकी श्रॉफ की प्रमुख भूमिका वाली श्द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरोश्य एक कॉमेडी फिल्म है, जो मुख्यतरू बच्चों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। ट्रेलर में दिखता है कि एक बच्चे अपने दादा जी को सुपरहीरो बताता है। वो अपने दोस्तों में अपने दादा जी की झूठी सुपरहीरो वाली कहानियां सुनाता रहता है। कभी समाज की रक्षा करने की, तो कभी एलियंस से दादा जी के लड़ाई लड़ने की।हालांकि, उसकी बातों पर उसके दोस्तों को शक होने लगता है, फिर वो दादा जी से अपने सामने कुछ सुपरहीरो वाला करने को कहते हैं। हालांकि, दादा जी असल में बुजुर्ग और कमजोर व्यक्ति हैं। क्या दादा जी वाकई बच्चों को कोई सुपरहीरो वाली शक्तियां दिखा पाते हैं और क्या वाकई में एलियन ध चलेगा। मनीष सैनी द्वारा

ारती पर आते हैं और दादा जी उनका सामना करते हैं? ये सब फिल्म देखने पर पता निर्देशित यह फिल्म 29 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रणवीर सिंह बने बाक्स आफिस के असली धुरंधर, वर्ल्डवाइड ये आंकड़ा पार करने वाले बने पहले स्टार, शाहरुख-प्रभास को पछाड़ा

धुरंधरय्च फ्रेंचाइजी ने रणवीर सिंह की किस्मत ही बदल कर रख दी है और उन्हें बॉलीवुड का सबसे बड़ा स्टार बना दिया है. इस फ्रेंचाइजी ने न केवल उन्हें जबरदस्त पॉपुलैरिटी दिलाई है बल्कि उनकी अदाकारी को भी एक नया मुकाम दिया है. यूं तो उनके टैलेंट और एनर्जी की हमेशा तारीफ हुई लेकिन कोविड के बाद का दौर उनके लिए मुश्किलों और निराशा से भरा रहा था.हालांकि रॉकी और रानी की प्रेम कहानी बॉक्स ऑफिस पर सफल तो रही थी, लेकिन ये ब्लॉकबस्टर नहीं बन पाई. फिर उन्होंने धुरंधर से धमाकेदार कमबैक किया और धुरंधर 2 के साथ बॉक्स ऑफिस पर नई ऊंचाइयों को छुआ. इसी के साथ रणवीर सिंह ने ऐसा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है जो कोई एक्टर नही कर पाया है.

रणवीर सिंह ने कोविड–19 के बाद के दौर में ऐसा कमाल कर दिखाया है जो अब तक तो एक्टर नहीं कर पाया. दरअसल उनकी अब तक छह फिल्मे रिलीज हो चुकी हैं जिनमें सबसे पहले 83 आई, जिसने वर्ल्डवाइड 184.36 करोड़ की कमाई की थी. इसके बाद जयेशभाई जोरदार आई, जिसने 24.1 करोड़ की कमाई की. वहीं सर्कस ने 39.6 करोड़ का कलेक्शन किया, जबकि रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की दुनियाभर में कमाई 348.89 करोड़ रुपये रही थी.

साल 2025 में धुरंधर के साथ हालात पूरी तरह बदल गए. इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1354.84 करोड़ रुपये की भारी कमाई की. इसके बाद रणवीर सिंह की छठी फिल्म, धुरंधर 2 आई और इसने तो सिनेमाघरों में ऐसा तहलका मचाया कि हर कोई हैरान रह गया. 55 दिनों से थिएटर में चल रही धुरंधर ने कोईमोई के आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में 1833.56 करोड़ रुपये की जबरदस्त कमाई कर डाली है.

कुल मिलाकर, रणवीर सिंह ने कोविड के बाद रिलीज हुई अपनी छह फिल्मों के साथ दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 3700 करोड़ का आंकड़ा आसानी से पार कर लिया है, और उनकी फिल्मों का कुल कलेक्शन चौंका देने वाला 3785. 35 करोड़ रुपये हो गया है.कुल

3785.35 करोड़ रुपये की कमाई के साथ, रणवीर सिंह कोविड–बाद के दौर में वर्ल्डवाइड 3700 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाले पहले भारतीय मेल स्टार (मुख्य भूमिका में) बन गए हैं. उन्होंने शाहरुख खान और प्रभास को बड़े अंतर से पीछे छोड़ दिया है. आपको बता दें कि शाहरुख खान की कोविड–बाद की फिल्मों की कुल कमाई 2704.07 करोड़ रुपये है, जबकि प्रभास ने 2393.29 करोड़ रुपये कमाए हैं. अपनी अगली फिल्म के साथ, रणवीर यकीनन 4000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने का टारगेट सेट करेंगे.

भूत बंगला की बाक्स आफिस पर दमदार पकड़ बरकरार, 27 दिनों में 163 करोड़ के पार पहुंची अक्षय की हारर-कामेडी

किसने सोचा होगा कि अक्षय कुमार और प्रियदर्शन सालों बाद एक साथ काम करके बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा देंगे. इस जोड़ी की लेटेस्ट की हॉरर–कॉमेडी फिल्म भूत बंगला 27 दिनों से टिकट खिड़की पर बवाल काट रही है और हर दिन शानदार कमाई कर रही है. यहां तक कि कई नई रिलीज फिल्मों की भीड़ के बीच भी ये हॉरर–कॉमेडी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब हो रही है.चलिए यहां इसके 27वें दिन का कलेक्शन जानते हैं.भूत बंगला को सिनेमाघरों में धमाल मचाते हुए अब एक महीना पूरा होने को है लेकिन इसके लिए दर्शकों की दीवानगी कम नहीं हो रही है. यह फिल्म जबरदस्त हिट साबित हुई है, और हैरानी की बात यह है कि रिलीज होने के बाद से ही इसे सात अन्य फिल्मों से कड़ी टक्कर मिल चुकी है, फिर भी, भूत बंगला का जादू लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है. दरअसल दर्शक हॉरर और लाफ्टर के इस एंटरटेनिंग ब्लेंड को खूब एंजॉय कर रहे हैं इसी वजह से ये फिल्म इतने लंबे समय तक बॉक्स ऑफिस पर टिकी हुई है. हालांकि चौथे हफ्ते में इसकी कमाई में मंदी भी आई है.फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क के अर्ली ट्रेंड आंकड़ों के मुताबिक रिलीज के 27वें दिन यानी चौथे बुधवार को इसने भारत में 1.25 करोड़ की नेट कमाई की है. इसी के साथ इसका भारत में 27 दिनों का कुल नेट कलेक्शन अब 163.05 करोड़ रुपये हो गया है जबकि ग्रॉस कलेक्शन 193.35 करोड़ रुरये हुआ है. वहीं विदेशों में, फिल्म ने 27वें दिन 0.05 करोड़ की कमाई की, जिससे इसकी कुल विदेशी कमाई अब तक 53.25 करोड़ हो गई है. इसके साथ ही इसका 27 दिनों का वर्ल्डवाइज कुल कलेक्शन 246.60 करोड़ तक पहुंच गया है.

अपनी रिलीज के चौथे हफ्ते में एक हॉरर–कॉमेडी फिल्म के लिए ये आंकड़े काफी शानदार हैं. हालांकि डेली की कमाई में थोड़ी कमी आई है, लेकिन फिल्म ने कमर्शियली सक्सेस हासिल कर ली है. इसी के साथ अक्षय कुमार को भी एक हिट फिल्म मिल ही गई है. दरअसल महामारी के बाद से अक्षय कुमार का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन थोड़ा उतार–चढ़ाव भरा रहा, उनकी कई फिल्में फ्लॉप रहीं. पिछले साल उनकी तीन फिल्मों ने ठीक–ठाक कमाई की, हालांकि वे हिट नहीं हुईं, और अब आखिरकार उनकी साल 2026 में आई भूत बंगला हिट हो गई है.

राजा शिवाजी ने दूसरे बुधवार कर दिया बड़ा कमाल, वसूल ली अपनी पूरी लागत, जानें- 13 दिनों का टोटल कलेक्शन

रितेश देशमुख स्टारर फिल्म राजा शिवाजी को बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों से शानदार रिस्पॉन्स मिला है, खासतौर पर महाराष्ट्र में ये फिल्म जबरदस्त परफॉर्म कर रही है. इसी के साथ राजा शिवाजी हर दिन करोड़ों में कमाई कर रही है. हालांकि दूसरे हफ्ते में इसके कलेक्शन में काफी मंदी भी देखी गई लेकिन ये अब लगभग अपना बजट वसूल कर चुकी है. इसी के साथ चलिए यहां जानते हैं श्राजा शिवाजीय्च ने रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे बुधवार को कितना कलेक्शन किया है? कई बड़े कलाकारों से सजी श्राजा शिवाजीय्च ने बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के पहले दिन ही साबित कर दिया था कि ये फिल्म धुआंध ाार परफॉर्म करेगी और उम्मीद के मुताबिक इस ऐतिहासिक ड्रामा ने न केवल दर्शको का दिल जीत लिया है बल्कि अच्छा कलेक्शन भी कर डाला है. हालांकि इसकी कमाई में वीकडेज में उतार–चढ़ाव भी बना रहा बावजूद इसके ये बॉक्स ऑफिस पर सफल हो चुकी है और इसी के साथ ये हर दिन रिकॉर्ड बुक में भी अपना नाम दर्ज करा रही है.फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो श्राजा शिवाजीय्च की पहले हफ्ते की कमाई 52.65 करोड़ रुपये रही. इसके बाद 8वें दिन फिल्म ने 3.20 रोड़, 9वें दिन 5. 60 करोड़, 10वें दिन 6.80 करोड़, 11वें दिन 2.40 करोड़ और 12वें दिन 2.50 करोड़ का कलेक्शन किया.अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक श्राजा शिवाजीय्च ने रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे बुधवार को 1.90 करोड़ कमाए हैं.इसी के साथ श्राजा शिवाजीय्च की 13 दिनों की कुल कमाई अब 75.05 करोड़ रुपये हो गई है.श्राजा शिवाजीय्च ने फाइनली रिलीज के 13 दिनों में अपनी लागत आखिरकार वसूल कर ली है. इसे 75 करोड़ के बजट में बनाया गया है और दूसरे बुधवार को यानी 13वें दिन इसने ये आंकड़ा पार कर लिया. इसी के साथ ये फिल्म सेफ जोन में पहुंच गई है और अब ये मुनाफा कमाने में जुट जाएगी. रितेश देशमुख द्वारा निर्देशित राजा शिवाजी छत्रपति शिवाजी महाराज के बचपन और नेक इरादों पर आधारित एक बायोपिक है. रितेश देशमुख ने छत्रपति शिवाजी महाराज के किरदार में जान फूंक दी है. फिल्म में संजय दत्त अफजल खान के खतरनाक किरदार में हैं. वहीं अभिषेक बच्चन ने संभाजी शाहजी महाराज का रोल प्ले किया है जबकि जेनेलिया देशमुख ने महारानी साईबाई के रूप में अभिनय किया है. सलमान खान ने जीवा महाला के रूप में फिल्म में एक स्पेशल कैमियो किया है. यह फिल्म रितेश और जेनेलिया के बेटे राहिल देशमुख की पहली फिल्म है,

कान्स 2026 प्रिंसेस अवतार में आलिया भट्ट ने लूटी ली महफिल, रेड कार्पेट पर गाउन में बिखेरा जलवा

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 से बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट का नया लुक सामने आ गया है. इस बार उन्होंने लाइट ब्लू कलर का बेहद खूबसूरत गाउन पहना, जिसमें उनका अंदाज किसी प्रिंसेस से कम नहीं लग रहा. सॉफ्ट ग्लैम मेकअप और एलिगेंट स्टाइलिंग के साथ आलिया ने अपने लुक से हर किसी का ध यान खींच लिया. फैंस भी उनके इस रॉयल अवतार की जमकर तारीफ कर रहे हैं.

आलिया भट्ट 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर दूसरी बार उतरीं और इस बार भी उन्होंने अपने ग्लैमरस अंदाज से फैंस का दिल जीत लिया. आलिया एक बार फिर अपने एलिगेंट लुक और स्टाइलिश प्रेजेंस को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं. उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं. इस बार आलिया भट्ट कान्स 2026 के रेड कार्पेट पर लाइट ब्लू कलर का ऑफ शोल्डर कलर का गाउन पहनकर पहुंचीं, जो बेहद सॉफ्ट और रॉयल वाइब दे रहा है. आलिया के इस गाउन की खास बात इसका फिटेड अपर पोर्शन और नीचे की तरफ फैला हुआ नेट फैब्रिक है, जो लुक को प्रिंसेस जैसा टच दे रहा है. आलिया भट्ट ने सॉफ्ट और नैचुरल ग्लैम लुक कैरी किया है. ड्यूई बेस, न्यूड आई मेकअप, हल्का काजल–मस्कारा और न्यूड पिंक लिप्स ने उनके लुक को बेहद एलिगेंट बनाया. आलिया ने बालों को स्लीक और क्लीन सॉफ्ट अपडू में स्टाइल किया है. फ्रंट से हल्की–सी स्ट्रैंड्स फेस को फ्रेम कर रही है, जिससे लुक और भी एलीगेंट और रेड कार्पेट रेडी लग रहा था. ज्वैलरी की बात करें तो आलिया भट्ट ने गले में एक डेलिकेट चोकर नेकपीस पहना गया, जो आउटफिट के साथ परफेक्ट ब्लेंड कर रहा था. ईयररिंग्स मिनिमल हैं, जिससे ग्रेस साफ नजर आया. आलिया का ये रॉयल अंदाज फैंस को

पूरा फोकस नेकलाइन और ड्रेस पर बना रहा. रेड कार्पेट पर कैमरों के सामने पोज देते हुए आलिया भट्ट का कॉन्फिडेंस और काफी पसंद आ रहा है. उन्होंने एक से बढ़कर एक पोज दिए. हर तस्वीर में उनकी अदाएं देखने लायक हैं.

माधुरी दीक्षित बनेंगी मां, बेटी बनीं तृप्ति डिमरीय आज आएगा मां बहन का टीजर

माधुरी दीक्षित की फिल्म मां बहन का ऐलान साल की शुरुआत में किया गया था। यह एक डार्क कॉमेडी है, जिसमें उनके साथ तृप्ति डिमरी भी मुख्य किरदार में नजर आएंगी। फिल्म के निर्देशन की कमान सुरेश त्रिवेणी ने संभाली है, जिन्हें तुम्हारी सुलु (2017) के लिए जाना जाता है। मातृत्व दिवस के अवसर पर अभिनेत्री ने फिल्म की पहली झलक जारी की थी। अब नए पोस्ट के जरिए उन्होंने टीजर रिलीज पर अपडेट दिया है। माधुरी ने फिल्म का मोशन पोस्टर जारी करते हुए कैप्शन दिया, सबसे बहुप्रतीक्षित कांड आ रहा है, माताओं, बहनों और पूरे परिवार के लिए। मां बहन, जल्द आ रही है, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर। इसका टीजर आज 15 मई को जारी किया जाएगा। फिल्म एक रूढ़िवादी मोहल्ले में रहने वाली मां–बेटियों की जोड़ी के इर्द–गिर्द घूमती है जो एक अनचाहे अपराध में फंस जाती हैं।

श्रद्धा कपूर की बड़ी तैयारी, फिल्म ईथा में 800 कलाकारों के साथ देंगी खास प्रस्तुति

श्रद्धा कपूर को आखिरी बार फिल्म स्त्री 2 (2024) में देखा गया था। इस वक्त अभिनेत्री अपनी अगली बहुप्रतीक्षित फिल्म ईथा में व्यस्त चल रही हैं, जिसका निर्देशन विक्की कौशल अभिनीत छावा वाले लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं। फिल्म मशहूर लावणी डांसर विठाबाई नारायणगांवकर की बायोपिक है। शूटिंग फिलहाल अंतिम चरण में है और अब इससे जुड़ा एक नया अपडेट सामने आया है, जिसके मुताबिक श्रद्धा एक भव्य गाने की तैयारी में जुट चुकी हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग अब अपने आखिरी चरण में है। निर्माताओं ने समापन समारोह में करीब 800 कलाकारों के साथ एक भव्य गाने पर ध्यान केंद्रित किया है। इससे शूटिंग का अंतिम चरण एक भव्य आयोजन में बदल गया है। मतलब यह है कि श्रद्धा फिल्म के लिए एक भव्य गाना कर रही हैं, जिसमें उनके साथ 800 कलाकार शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गाने को लाइव इवेंट की तरह तैयार किया गया है।श्रद्धा पहली बार बायोपिक का हिस्सा बनी हैं, जो विठाबाई नारायणगांवकर की असल जिंदगी को पर्दे पर दिखाएंगी। इस किरदार को निभाना उनके लिए किसी चुनौती से कम साबित नहीं हुआ है। उन्होंने लावणी डांस भी सीखा है। फिल्म में उनके साथ रणदीप हुड्डा मुख्य किरदार में नजर आएंगे। खबरोंकी मानें,तोनिर्माता ईथा को अगस्त, 2027 में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं, लेकिन आधिकारिक पुष्टि होने के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।